हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 01 अंक–268 : जौनपुर, शनिवार 01 जुलाई 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

अब कांग्रेस के कुशासन से जूझ रही जनता : राजनाथ सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। राजनाथ सिंह ने कहा कि यह सब कुछ तब हुआ जब पन्द्रह में से केवल पांच साल ही भाजपा की सरकार केंद्र में थी यानि डबल इंजन का जो पावर है वह रमन सिंह को केवल पांच साल ही मिला। इसके बावजूद उन्होंने छत्तीसगढ को बनाया, सजाया, संवारा और देश का एक प्रगतिशील राज्य बनाया। छत्तीसगढ़ में भाजपा ने अपनी ताकत लगाने की शुरूआत कर दी है। आज रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कांकेर में जनसभा को संबोधित किया। अपने संबोधन के जरिए राजनाथ ने कांग्रेस पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा की रमन सिंह सरकार ने खूब काम किया लेकिन 2018 के बाद सभी विकास के काम रोक दिए गए। उन्होंने कहा कि मुझे पहली बार छत्तीसगढ़ का प्रभारी बनाकर भेजा गया था। उस समय कांग्रेस के कुशासन से छत्तीसगढ़ की जनता जूझ रही थी। तब कांग्रेस की हुकूमत थी, अत्याचार, जुल्म था, लोग त्रस्त थे। उस समय कांग्रेस के नेताओं के खिलाफ लोग बोलने की हिम्मत नहीं करते थे। 2003 के विधानसभा चुनाव के बाद छत्तीसगढ़ की बागडोर भाजपा के रमन सिंह को सौंपी गई थी और छत्तीसगढ़ का कायाकल्प हुआ।राजनाथ सिंह ने कहा कि यह सब कुछ तब हुआ जब पन्द्रह में से केवल पांच साल ही भाजपा की सरकार केंद्र में थी यानि डबल इंजन का जो पावर है वह रमन सिंह को केवल पांच साल ही मिला। इसके बावजूद उन्होंने छत्तीसगढ को बनाया, सजाया, संवारा और देश का एक प्रगतिशील राज्य बनाया। उन्होंने कहा कि मगर 2018 के विधानसभा चुनावों में आप लोगों ने जनादेश देकर सरकार बदल दी क्योकि आप लोगों ने उस समय कांग्रेस की कुछ गारंटियों पर भरोसा कर लिया। आप को लगता था कि नई सरकार बनेगी तो काम और तेज होगा। मगर नतीजा उल्टा हुआ। उन्होंने कहा कि जिस तरह से रमन सिंह जी के नेतृत्व में भाजपा सरकार छत्तीसगढ को आगे ले जा रही थी कांग्रेस की भूपेश बघेल सरकार ने प्रदेश की दिशा ही बदल दी। जबकि केंद्र की मोदी जी की सरकार ने छत्तीसगढ के साथ कोई सैतेला व्यवहार नहीं किया। उन्होंने कहा कि घोटालो की लम्बी लिस्ट मेरे पास है। गोठान घोटाला, राशन घोटाला, शराब घोटाला और फिर कांग्रेस का पसंदीदा कोयला घोटाला भी छत्तीसगढ़ में हुआ है। छत्तीसगढ़ की सरकार ने शराबबंदी का वादा किया, गंगाजल हाथ में ले कर वादा किया। और शराब की होम डिलीवरी शुरू कर दी। किसानों को कर्ज मुक्त करने का वादा किया। वह भी नहीं किया। रक्षा मंत्री ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ने इसी संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए आदिवासी समाज के बहुतायत संख्या वाले दो राज्य छत्तीसगढ और झारखंड का गठन किया। इतना ही नहीं अटल जी ने आदिवासी कल्याण के लिए एक अलग मंत्रालय भी बनाया। उन्होंने कहा कि देश के दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों के लिए जो प्रतिबद्धता अटल जी के दिल में थी वही प्रतिबद्धता हमारे आज के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिल में भी है। क्या आपने कभी सोचा था कि आदिवासी समाज की बेटी देश की राष्ट्रपति बन सकेगी। आज वह करिश्मा हो गया है। भाइयों बहनों छत्तीसगढ बनाने के पीछे हमारे उस समय के प्रधानमंत्री अटलजी की एक ही मंशा थी कि हमारे आदिवासी भाइयो को जो सैंकड़ो साल से विकास की यात्रा में पिछड़ते रहे है, उन्हें भी आगे आने का मौका मिले। भाजपा नेता ने कहा कि आज भारत अपनी स्वतंत्रता की 75 वीं वर्षगांठ मना रहा है, तब बस्तर की इस पुनीत माटी से अपने जन, जंगल, जमीन के लिए अंग्रेजों से लड़ते हुए, उनके दांत खट्टे करते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर शहीद गुंडाधुर जैसे नायकों का स्मरण आना सहज ही है। उन्होंने कहा कि आज जब हम राष्ट्रीय मंचों से राष्ट्र निर्माण में आदिवासी समाज के योगदान की चर्चा करते हैं, तो कुछ लोगों को आश्चर्य होता है। ऐसे लोग यह नहीं समझते कि भारत की संस्कृति को मजबूत करने में आदिवासी समाज का कितना योगदान है। जबकि हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार में आज आदिवासी क्षेत्रों में भी गरीबों के लिए घर, शौचालय, मुफ्त बिजली और गैस कनेक्शन, स्कूल, सड़क और मुफ्त इलाज जैसी सुविधाएं उसी तेजी से मिल रही हैं, जैसी देश के बाकी हिस्सों में। रक्षा मंत्री ने कहा कि पिछले नौ वर्षों से वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ जिस तरह का प्रभावी कार्रवाई मोदीजी के नेतृत्व में हुई है, उसके कारण आज वामपंथी उग्रवाद बमुश्किल 10–12 जिलों में ही सिमट गया है। उनमें से कुछ जिले इस छत्तीसगढ़ राज्य में है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ से भी वामपंथी उग्रवाद पूरी तरह समाप्त हो गया होता यदि यहां कि प्रदेश सरकार ने पिछले चार सालों में यहां वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ तत्परता से कारवाई की होती। इसका खामियाजा आज छत्तीसगढ़ की जनता को भुगतना पड़ रहा। वामपंथी उग्रवाद की अनदेखी के साथ–साथ छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा धर्मांतरण की जो गतिविधियां चल रही है, उस पर भी प्रभावी कार्रवाई नही की गई है। बस्तर के भोले भाले आदिवासियों को लोभ और प्रलोभन देकर उनका धर्मांतरण कराना देश और समाज के लिए चिंता का विषय है। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि हम जो कहते हैं वह करते हैं। हमारी कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बड़ी प्रतिबद्धता से काम कर रहे हैं।

रमन सिंह ने छत्तीसगढ़ का किया कायाकल्प

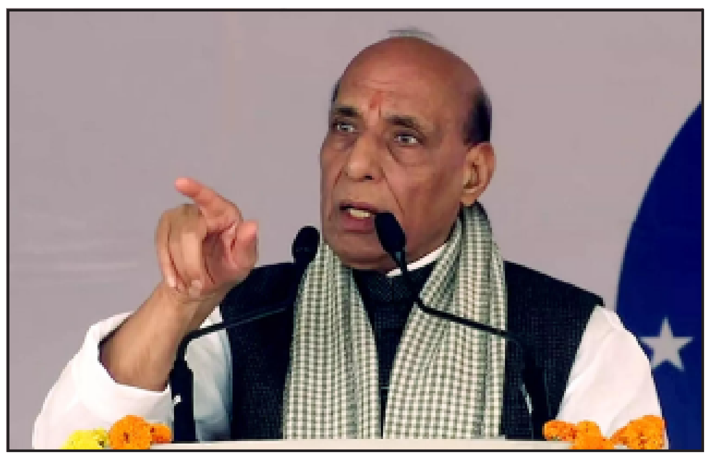

राजस्थान के रण में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को हथियार बनाएगी कांग्रेस, सीएम गहलोत ने खेला बड़ा दांव

एजेंसी

नई दिल्ली। अधिसूचना के अनुसार, प्रभावशाली लोगों को विभिन्न मापदंडों के आधार पर प्रति माह 5 लाख तक का भुगतान किया जाएगा, जिसमें उनके फॉलोअर्स की संख्या और उनके द्वारा पोस्ट की गई सामग्री भी शामिल है।राजस्थान सरकार आगामी विधानसभा चुनाव से पहले अपने कल्याणकारी कार्यों को सोशल मीडिया पर प्रचारित करने के लिए सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स का सहारा लेगी। अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली सरकार ने एक अधिसूचना में कहा कि प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के अलावा, अब सरकार के कार्यों का विज्ञापन करने के लिए सोशल सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को काम पर रखा जाएगा। अधिसूचना के अनुसार, प्रभावशाली लोगों को विभिन्न मापदंडों के आधार पर प्रति माह 5 लाख तक का भुगतान किया जाएगा, जिसमें उनके फॉलोअर्स की संख्या और उनके द्वारा पोस्ट की गई सामग्री भी शामिल है। राजस्थान में इस साल विधानसभा के चुनाव होने है। कांग्रेस सरकार लगातार सक्रिय नजर आ रही है। अपने काम को लोगों तर पहुंचाने की कोशिश में जुटी हुई है। यही कारण है कि अशोक गहलोत ने यह बड़ा निर्णय लिया है। राजस्थान सरकार राज्य सरकार के जन कल्याण कार्यक्रमों को आम जनता तक तेजी से पहुंचाने के लिए राज्य के भीतर या बाहर से संचालित होने वाली फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसी सोशल मीडिया साइटों को विज्ञापन देगी। अधिसूचना में कहा गया है, उपयोग और आवश्यकताओं के अनुसार, विज्ञापन खाता मालिकों, ऑपरेटरों या सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को वितरित किए जाएंगे।सरकार ने फॉलोअर्स की संख्या और उनके पोस्ट करने की आवृत्ति के आधार पर चार प्रकार के सोशल मीडिया प्रभावितों की पहचान की है। न्यूनतम 10 लाख फॉलोअर्स वाले प्रभावशाली व्यक्ति उच्चतम श्एश श्रेणी में आएंगे। श्बीश ग्रुप में 5 लाख फॉलोअर्स वाले यूजर्स शामिल होंगे और श्सीश कैटेगरी में 1 लाख फॉलोअर्स वाले यूजर्स शामिल होंगे। कम से कम 10,000 फॉलोअर्स वाले लोग श्डीश श्रेणी में आएंगे।

मुंबई-नागपुर एक्सप्रेसवे पर बस में आग लगने से 26 लोगों की मौत, जांच के आदेश, मोदी ने जताया हादसे पर दुख, 2 लाख की अनुग्रह राशि की घोषणा

एजेंसी

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में समृद्धि महामार्ग एक्सप्रेसवे पर एक बस में आग लगने से 26 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। बस यवतमाल से पुणे जा रही थी। समाचार एजेंसी एएनआई ने बताया कि यह घटना राज्य के बुलढाणा जिले में शनिवार सुबह करीब 2 बजे हुई।महाराष्ट्र में समृद्धि महामार्ग एक्सप्रेसवे पर एक बस में आग लगने से 26 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। बस यवतमाल से पुणे जा रही थी। समाचार एजेंसी एएनआई ने बताया कि यह घटना राज्य के बुलढाणा जिले में शनिवार सुबह करीब 2 बजे हुई।इससे पहले, बुलढाणा पुलिस के डिप्टी एसपी बाबूराव महामुनि ने कहा, श्बस से 25 शव निकाले गए। बस में कुल 33 लोग सवार थे. 6–8 लोग घायल हो गए. घायलों को बुलढाणा सिविल अस्पताल में भर्ती कराया जा रहा है।श् बाद में एक व्यक्ति की चोटों के कारण मौत हो गई। बुलढाणा के एसपी सुनील कड़ासेन के मुताबिक, बस का ड्राइवर सुरक्षित है।बुलढाणा के एसपी सुनील कदसाने ने कहा "बस में कुल 33 लोग यात्रा कर रहे थे, जिनमें से 26 लोगों की मौत हो गई और 7 लोग घायल हो गए। बस का ड्राइवर भी बच गया और उसने कहा कि टायर फटने के बाद बस पलट गई, जिससे बस में आग लग गई, "बुलढाणा के एसपी सुनील कदसाने ने कहा।बुलढाणा बस दुर्घटना पीड़ित परिवार के लिए मुआवजे के तौर पर 5 लाख रुपये की घोषणा की गई है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस के साथ दुर्घटनास्थल का दौरा करेंगे। मुख्यमंत्री ने घटना की जांच के भी आदेश दिये हैं।मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बुलढाणा जिले के सिंदखेड़ाराजा के पास समृद्धि एक्सप्रेस–वे पर एक निजी बस की भीषण दुर्घटना पर शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में मृतकों और उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री राहत कोष से मृतकों के परिजनों को 5–5 लाख रुपये की सहायता देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने इस भीषण दुर्घटना से व्यथित होने की बात कहते हुए घटना की जांच के आदेश दिये हैं। हादसे की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बुलढाणा के कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक से फोन पर संपर्क किया और घटना की जानकारी ली।

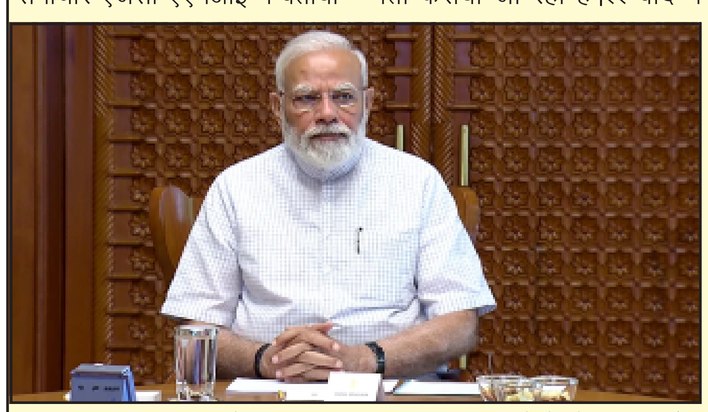

प्यार के शहर में फैली हिंसा! 1100 से अधिक युवा को फ्रांस पुलिस ने किया जेल में बंद

एजेंसी

नई दिल्ली। फ्रांस की राजधानी पेरिस में पुलिस द्वारा एक किशोर को गोली मारे जाने की घटना के बाद यहां लगातार चौथे दिन लोगों ने बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने अवरोधक लगाकर सड़कों को अवरूद्ध कर दिया, आगजनी की और पुलिसकर्मियों पर पटाखे फेंके।फ्रांस में चौथे दिन भी बड़े पैमाने पर हिंसा जारी रही क्योंकि युवा दंगाइयों ने पुलिस अधिकारियों के साथ झड़प की, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया और एक ऐप्पल रिटेल स्टोर सहित कई दुकानों को लूट लिया। इस सप्ताह की शुरुआत में उत्तरी अफ्रीकी मूल के एक किशोर की पुलिस द्वारा दुखद हत्या के कारण उत्पन्न अशांति कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। यह हिंसा देश में बढ़ती जा रही हैं। दंगे सबसे पहले पेरिस के पश्चिमी बाहरी इलाके में मजदूर वर्ग के शहर नानटेरे में भड़के, जहां मंगलवार को यातायात रोकने के दौरान एक पुलिस अधिकारी ने 17 वर्षीय लड़के नाहेल एम की गोली मारकर हत्या कर दी। अधिकारी पर स्वैच्छिक हत्या का प्रारंभिक आरोप लगाया गया है।

यूरोपीय डॉक्टर की अपील- योगी आदित्यनाथ को भेज दो, सीएमओ ने दिया जवाब

एजेंसी

नई दिल्ली। फ्रांस हालात को काबू में करने के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मांग उठ रही है। लगातार फ्रांस की स्थिति पर ट्वीट करने वाले जर्मनी के डॉक्टर और प्रोफेसर एन जॉन कैम का एक ट्वीट फिलहाल चर्चा के केंद्र में है।पुलिस गोलीबारी में 17 वर्षीय एक किशोर की हत्या को लेकर भारी पुलिस तैनाती के बावजूद फ्रांस के आसपास के शहरों में शुक्रवार को दंगे भड़के। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने अवरोधक लगाकर सड़कों को ब्लॉक कर दिया, जमकर आगजनी की और झड़पे भी हुई हैं। दंगों को रोकने के लिए सरकार द्वारा कदम उठाए जा रहे हैं। हालांकि, वह नाकाफी लग रहे। स्थिति संवेदनशील बनी हुई है। यही कारण है कि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की आलोचना पुलिस और जनता दोनों कर रहे हैं। फ्रांस हालात को काबू में करने के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मांग उठ रही है। लगातार फ्रांस की स्थिति पर ट्वीट करने वाले जर्मनी के डॉक्टर और प्रोफेसर एन जॉन कैम का एक ट्वीट फिलहाल चर्चा के केंद्र में है। उन्होंने अपने ट्वीट में कहा कि भारत को वहां दंगे की स्थिति को नियंत्रित करने के लिए योगी आदित्यनाथ को फ्रांस भेजना चाहिए और हे भगवान, वह 24 घंटे के भीतर ऐसा करेंगे। इसके बाद योगी आदित्यनाथ के कार्यालय ने इसका जवाब दिया है। ट्वीट में लिखा गया कि जब भी विश्व के किसी भी हिस्से में उग्रवाद दंगे भड़काता है, अराजकता फैलती है और कानून एवं व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न होती है, तो दुनिया सांत्वना तलाशती है और उत्तर प्रदेश में महाराज जी द्वारा स्थापित कानून एवं व्यवस्था के परिवर्तनकारी ष्योगी मॉडलष के लिए तरसती है। इसके तुरंत बाद, उत्तर प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने एक वीडियो डाला, जिसमें कहा गया, "एक समय था जब उत्तर प्रदेश के हर जिले में कर्फ्यू होता था, हर जगह दंगे होते थे। लेकिन जब से योगी आदित्यनाथ सत्ता में आए हैं और सरकार ने दंगाइयों पर नकेल कसी है, उनके घरों पर बुलडोजर चलवाया है, तब से यूपी में दंगे पूरी तरह से बंद हो गए हैं। इसकी गूंज न सिर्फ भारत भर में सुनाई दे रही है, बल्कि दुनिया भर में पहुंच रही है और इसीलिए फ्रांस जैसे देश में भी दंगों पर काबू पाने के लिए योगी मॉडल की सराहना की जा रही है और ऐसी ही अपेक्षा भी की जा रही है। यह उत्तर प्रदेश की कानून–व्यवस्था पर एक वैश्विक मुहर है।श् उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने भी फ्रांस दंगों पर टिप्पणी करते हुए कहा, श्दंगाइयों द्वारा 850 साल पुरानी लाइब्रेरी को जलाने की घटना ने भारत की सबसे पुरानी लाइब्रेरी, नालंदा की याद दिला दी, जिसे 1199 ईस्वी में तुर्क शासक बख्तियार खिलजी ने नष्ट कर दिया था। फ्रांस के गृह मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि पुलिस की गोलीबारी में 17 वर्षीय एक किशोर की मौत के बाद चौथी रात व्यापक विरोध प्रदर्शन के दौरान देशभर में 1,311 लोगों को गिरफ्तार किया गया। सरकार ने हिंसा रोकने के लिए देश भर में 45,000 पुलिसकर्मियों की तैनाती की है। रातभर युवा प्रदर्शनकारियों की पुलिस से भिड़ंत हुई। विभिन्न जगहों पर प्रदर्शनकारियों ने करीब 2,500 दुकानों में आग लगा दी और तोड़फोड़ की। नैनटेरे के उपनगर में पुलिस की गोलीबारी में मंगलवार को मारे गए किशोर नाहेल को दफनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई।

राहुल के काफिले को रोके जाने पर कांग्रेस ने कहा–सभी लोकतांत्रिक मानदंडों को ध्वस्त किया

एजेंसी

नई दिल्ली। एक संवाददाता सम्मेलन में कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि प्रधानमंत्री मणिपुर नहीं जाएंगे और अगर गांधी हिंसा और नफरत के इस माहौल को शांत करने जाएंगे तो मोदी उन्हें रोकने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। मणिपुर में जातीय हिंसा से पीड़ित लोगों से "सहानुभूतिवश मुलाकात" करने गए कांग्रेस नेता राहुल गांधी के काफिले को बिष्णुपुर में पुलिस द्वारा रोके जाने को लेकर कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को सरकार पर निशाना साधा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर "निरंकुश तरीकों" का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि सरकारी कार्रवाई ''पूरी तरह से अस्वीकार्य है और सभी संवैधानिक और लोकतांत्रिक मानदंडों को ध्वस्त करती है।" राहत शिविरों का दौरा करने के लिए चुराचांदपुर जा रहे गांधी को पुलिस अधिकारियों ने यह कहते हुए रोक दिया कि हिंसा की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए यह एहतियाती कदम है। बाद में वह एक हेलीकॉप्टर से एक राहत शिविर पहुंचे और लोगों से बातचीत की। राहत शिविर में हिंसा पीड़ितों से मुलाकात के बाद गांधी ने ट्वीट किया, ''मैं मणिपुर के अपने सभी भाइयों–बहनों को सुनने आया हूं।सभी समुदायों के लोग बहुत स्वागत और प्रेम कर रहे हैं। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि सरकार मुझे रोक रही है। मणिपुर को मरहम की जरूरत है। शांति हमारी एकमात्र प्राथमिकता होनी चाहिए।'' कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने एक ट्वीट में कहा, "मणिपुर में गांधी के काफिले को बिष्णुपुर के पास पुलिस ने रोक दिया है। वह राहत शिविरों में पीड़ित लोगों से मिलने और संघर्षग्रस्त राज्य में राहत पहुंचाने के लिए वहां जा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने मणिपुर पर अपनी चुप्पी तोड़ने की जहमत नहीं उठाई है। उन्होंने राज्य को उसके हाल पर छोड़ दिया है।" उन्होंने कहा, "अब, उनकी डबल इंजन वाली विनाशकारी सरकारें राहुल गांधी के सहानुभूतिवश मुलाकात को रोकने के लिए निरंकुश तरीकों का इस्तेमाल कर रही हैं। यह पूरी तरह से अस्वीकार्य है और सभी संवैधानिक और लोकतांत्रिक मानदंडों को ध्वस्त करती है।

विपक्षी गठबंधन के जवाब में एनडीए भी दिखायेगा ताकत, आकाली दाल और आरएलडी थाम सकते हैं बीजेपी का हाथ

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा में गहन मंथन का दौर चल रहा है जिसमें यह तय किया गया है कि संगठन और मंत्रिमंडल में जल्द ही फेरबदल किया जायेगा और एनडीए को भी मजबूत किया जायेगा। आने वाले दिनों में एनडीए का स्वरूप ऐसा दिखेगा जिसमें संपूर्ण भारत वर्ष से भागीदारी दिखेगी।लोकसभा चुनावों की तैयारियों के सिलसिले में सभी पार्टियां जहां एक ओर अपने अपने संगठन को चुस्त दुरुस्त कर रही हैं वहीं अपने गठबंधनों को भी मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। हाल ही में विपक्षी दलों ने पटना में बैठक कर अपनी ताकत दिखाई थी तो अब सत्तारुढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) भी अपनी ताकत दिखाने जा रहा है। बताया जा रहा है कि एनडीए में शिरोमणि अकाली दल बादल की वापसी होने वाली है और इसमें पश्चिमी उत्तर प्रदेश का राष्ट्रीय लोक दल भी शामिल हो सकता है। इसके अलावा दक्षिण भारत से भी कुछ क्षेत्रीय दलों के एनडीए में शामिल होने की अटकलें हैं। खबरें तो यहां तक भी हैं कि शिरोमणि अकाली दल (बादल) की हरसिमरत कौर, राष्ट्रीय लोक दल के जयंत चौधरी और लोजपा (पासवान) के नेता चिराग पासवान को केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है। दक्षिण भारत से भी एक बड़े फिल्मी सितारे के मंत्रिमंडल में शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के बीच इस समय गहन मंथन का दौर चल रहा है जिसमें यह तय किया गया है कि संगठन और मंत्रिमंडल में जल्द ही फेरबदल किया जायेगा और एनडीए को भी मजबूत किया जायेगा। आने वाले दिनों में एनडीए का स्वरूप ऐसा दिखेगा जिसमें संपूर्ण भारत वर्ष से भागीदारी दिखेगी। देखा जाये तो विपक्षी दलों की ओर से 2024 के लोकसभा चुनावों के मद्देनजर एकजुटता को लेकर जारी प्रयासों के बीच सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को पहले से भी बड़ा स्वरूप देने में जुटी हुई है और साथ ही उसकी कोशिश है कि वह इसका शक्ति प्रदर्शन भी करे। भाजपा सूत्रों ने कहा कि राजग की बढ़ती ताकत को रेखांकित करने के लिए जल्द ही एक बैठक होने की उम्मीद है। इसके जरिये इस धारणा को दूर किया जाएगा कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना और जनता दल जैसे कुछ सबसे पुराने सहयोगियों के जाने से भगवा पार्टी के पास कोई बड़ा साझेदार नहीं है।

सम्पादकीय

सुरक्षा आउटसोर्सिंग के खतरे

गुजरे दशकों में नव–उदारवादी आर्थिक नीतियों पर अंधाधुंध अमल का परिणाम यह हुआ है कि विभिन्न देशों ने सैनिकों की सामाजिक सुरक्षा के अपने दायित्व से मुंह मोडने के लिए सुरक्षा की आउटसोर्सिंग की है। लेकिन अब इसके खतरे खुल कर सामने आ गए हैं।

रूस भीषण गृह युद्ध में उलझने से बच गया। इसका श्रेय बेलारुस के राष्ट्रपति अलेक्सांद्र लुकाशेंको की परिपक्व मध्यस्थता को दिया जाए, या प्राइवेट आर्मी वागनर ग्रुप के सरदार येवगेनी प्रिगोझिन को आखिर में हुए हकीकत के अहसास को– यह अलग चर्चा विषय है। लेकिन अहम बात यह है कि इस सेना ने यूक्रेन के युद्ध में खास भूमिका निभाई है। बाखमुट के मोर्चे पर इसे मिली बड़ी फतह के बाद प्रिगोझिन की बढ़ी महत्त्वाकांक्षा और अहंकार ही वो कारण थे, जिसने रूस को ऐसे संकट के दरवाजे तक पहुंचा दिया था, जहां से सचमुच उसके विनाश की शुरुआत हो सकती थी। अब प्रश्न है कि एक प्राइवेट आर्मी को राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे कार्य में किसने लगाया, जो अनिवार्य रूप से आधुनिक काल में राज्य की जिम्मेदारी होनी चाहिए? यह भी गौरतलब है कि वागनर ग्रुप से लडने के लिए चेचन आर्मी के दस्ते संबंधित क्षेत्र की तरफ कूच गए थे, जिसका चरित्र भी काफी कुछ निजी सेना की तरह है। उस लड़ाई में चाहे जिसकी जीत होती, खून रूसी नागरिकों का गिरता और बर्बाद भी रूस ही होता।

तो अब यह दुनिया भर के देशों के लिए गहन विचार का विषय है कि राज्य के अनिवार्य कार्यों का निजीकरण होना चाहिए? अमेरिका ने भी गुजरे दशकों में बड़ी संख्या में प्राइवेट आर्मी को अपने युद्धों में लगाया है। इराक और अफगानिस्तान में ऐसी इकाइयों के बेहरमी और उनकी तरफ से किए गए मानव अधिकारों के हनन की कहानियां बहुचर्चित हैं। इसी पैटर्न पर कई और देश चले हैं। रूस में हुआ यह कि अपराधियों को लेकर बनी एक प्राइवेट आर्मी बगावत पर उतर आई। ऐसे खतरे हर उस जगह मौजूद हैं, जहां सुरक्षा की इस तरह की आउटसोर्सिंग की गई है। गुजरे दशकों में नव–उदारवादी आर्थिक नीतियों पर अंधाधुंध अमल का परिणाम हुआ है कि विभिन्न देशों ने सैनिकों की सामाजिक सुरक्षा के दायित्व से मुंह मोडने के लिए ऐसी आउटसोर्सिंग का सहारा लिया है। लेकिन अब इसके खतरे खुल कर सामने आ गए हैं। सबक यह है कि राज्य अपने मूलभूत कर्त्तव्य किसी और को सौंप कर देश की सुरक्षा को लेकर आश्वस्त नहीं रह सकता।

एक नया चुनावी जुमला

रीना गुप्ता

यूनिफार्म सिविल कोड को लेकर देशभर में नई बहस छिड़ गई है। समान नागरिक संहिता की चर्चा तभी सार्थक होगी जब इसे आगामी लोकसभा चुनाव से ठीक एक साल पहले सत्ता पक्ष कि रणनीति मानकर देखा जाए।सरकार द्वारा समान नागरिक संहिता को लागू करने कि जिम्मेदारी संविधान कि धारा 44 द्वारा तय कि गई हैंपर प्रधानमंत्री का समान नागरिक संहिता पर राजनैतिक भाषण इस चर्चा को राजनैतिक बना देता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भोपाल में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए, अपने भाषण के दौरान देश में यूनिफार्म सिविल कोड को लेकर एक नयी बहस छेड़ दी। उन्होंने कहा कि श्एक ही घर में दो कानून कैसे हो सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट भी बार–बार कह चुका है कि न्ब्ब लाओ, लेकिन विपक्षी दल वोट बैंक के लिए इसका विरोध कर रहे हैं। न्ब्ब का जिक्र संविधान में भी किया गया है।श्प्रधानमंत्री का ये बयान अचानक नहीं आया, समान नागरिक संहिता की चर्चा तभी सार्थक होगी जब इसे आगामी लोकसभा चुनाव से ठीक एक साल पहले सत्ता पक्ष कि रणनीति मानकर देखा जाए। सरकार द्वारा, समान नागरिक संहिता को लागू करने कि जिम्मेदारी, संविधान कि धारा 44 द्वारा तय कि गई हैं, पर प्रधानमंत्री का समान नागरिक संहिता पर राजनैतिक भाषण, इस चर्चा को राजनैतिक बना देता है। इसके साथ समान नागरिक संहिता पर भाजपा नेताओ के बयान और लेख भी गौर करने लायक है, जहां वो एक तरफ संविधान का जिक्र करते है, वही दूसरी तरफ विपक्ष के प्रवक्ता बनकर समान नागरिक संहिता के खिलाफ भी अपने विचार रखते है।मोदी सरकार ने पिछले साल सुप्रीम कोर्ट को बताया कि, संविधान में न्ब्ब बनाना सरकार के कर्तव्य में शामिल है और अलग अलग धर्मों , पंथों के लोगों के लिए जमीन और शादी से जुड़े अलग–अलग कानून होने से देश की अखंडता का अपमान है। इसका मतलब ये हुआ कि देश को खतरा है? न्ब्ब आने से भारत की अखंडता को कोई खतरा नहीं होगा? चीन भारत की जमीन पर कब्जा नहीं कर पाएगा? पाकिस्तान भारत पर हमले करना बंद कर देगा? क्या बेटियां–महिला सुरक्षित हो जाएंगी ?समान नागरिक संहिता पर सैद्धांतिक तौर पर किसी भी भारतीय का,राजनैतिक दल का विरोध बिल्कुल भी नहीं है। संविधान में मानने वाले हर भारतीय को समान नागरिक संहिता मंजूर है, पर जिन कारणों से आजादी के दशकों बाद तक, समान नागरिक संहिता लागू नहीं हो पाई है,उन्हें अचानक से दरकिनार नहीं किया जा सकता। मसलन 2018 मे विधि आयोग ने समान नागरिक संहिता पर अपने विचार रखते हुए कहा था कि श्इस स्तर पर न तो आवश्यक है और न ही वांछनीय।शविधि आयोग का ये भी सुझाव था कि, समान नागरिक संहिता कि बजाय अलग अलग धर्मों और पंथों के कानूनों में जरूरी फेरबदल करके उन्हें एक समान, तर्क संगत और न्याय संगत बनाने कि कोशिश कि जाए, जिससे आगे चलकर समान नागरिक संहिता पर चर्चा हो सके। प्रधानमंत्री ने इस बार समान नागरिक संहिता पर चर्चा कि शुरुआत करते हुए ये नहीं बताया कि,2018 के विधि आयोग के सुझावों पर उनकी सरकार ने क्या कदम लिए? पिछले 5 सालों मे देश भर मे उनकी सरकार ने समान नागरिक संहिता के पक्ष मे चर्चा क्यूँ नहीं कराई? इस महत्वपूर्ण विषय पर सांसद मे कोई चर्चा क्यूं नहीं रखी गई ? ऐसे कई सारे सवाल देशवासियों के मन मे चिंता का कारण बन रहे है।सरकार कह रही है संविधान के क्पतमबजपअम च्तपदबपचसम वि्जंजम च्वसपबल यानि राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांत कि धारा 44 मे समान नागरिक संहिता का जिक्र है। आखिर क्पतमबजपअम च्तपदबपचसम वि्जंजम च्वसपबल में है क्या ? क्पतमबजपअम च्तपदबपचसम वि्जंजम च्वसपबल सरकार कि नागरिकों के प्रति जिम्मेदारी तय करते है।राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांत या सरल शब्दों मे सरकार कि भारत के नागरिकों के प्रति दायित्वों में,बच्चों को अच्छी शिक्षा, सामाजिक–आर्थिक–राजनतिक न्याय कि व्यवस्था, गुणवातापूर्ण स्वास्थ सुविधाय जैसे और भी कई सारे म्हत्वपूर्ण विषय शामिल है। पीएम मोदी सरकार जो इस समय धारा 44 समान नागरिक संहिता के नाम पर विपक्ष को संवेधनिक नैतिकता का पाठ पढ़ने कि कोशिश कर रही है, उस सरकार का पिछले नौ सालों मे इन मुद्दों पर काम करने का कोई प्रयास नहीं रहा है।क्या भाजपा सरकार का ये दायित्व नहीं बनता कि पहले अपने नागरिको को मूलभूत सुविधाएं दें ? आज भारत में बेराजगारी दर चरम पर है, ऑक्सफेम की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 10: जनता के पास 77: देश का पैसा है। देश में स्कूलों और अस्पतालों की हालत किसी से छुपी नहीं है।ह्यूमन डेवलपमेंट इंडेक्स में भी भारत का स्थान 191 देशों में से 132 पर है। फिर भी ऐसा लग रहा है कि सरकार के लिए तलाक या शादी ज्यादा बड़ा मसला है। विधि आयोग ने मात्र 30 दिन का समय देकर समान नागरिक संहिता पर सुझाव मांगे है, जो कि नाकाफी है, क्योंकि भिन्नताओ और विविधता से भरे हमे देश मे, ऐसे विषय पर जो भारत के समाज को बदलने कि ताकत रखता है, ऐसे विषय पर सार्थक चर्चा के लिए कहीं ज्यादा समय कि जरूरत है।

भ्रष्टाचार में घिरे विपक्षी दलों के लिए आगे की राजनीतिक लड़ाई मुश्किल नजर आती है

योगेंद्र योगी

प्रधानमंत्री मोदी के विपक्ष पर लगाए भ्रष्टाचार के आरोपों को बल इस बात से मिलता है कि विपक्षी नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के ज्यादातर मामलों में अदालत ने कोई राहत नहीं दी है। इसी कड़ी में एक मामला तमिलनाडु के मंत्री सेंथिल बालाजी का भी शामिल हो गया है।पटना में हुई महागठबंधन की बैठक बगैर किसी मसौदे के पूरी हो गई। संयुक्त विपक्ष के समक्ष भ्रष्टाचार सहित देश के अन्य बड़े मुद्दे एजेंडे में नहीं आए। विपक्षी दलों की बैठक में भ्रष्टाचार पर एक भी शब्द नहीं बोलने से भाजपा को हमला करने का मौका मिल गया। यही वजह है कि प्रधानमंत्री और भाजपा इस गठबंधन के प्रयासों की खिल्ली उड़ा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भोपाल में एक सभा में विपक्षी दलों की एकता के प्रयासों पर जमकर चुटकियां लीं। उन्होंने कहा कि इनके घोटाले की लिस्ट इतनी लंबी है कि कोर्ट भी थक गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भ्रष्टाचार को लेकर कहा कि कुछ लोग सिर्फ अपने ही दल के लिए जीते हैं, दल का ही भला करना चाहते हैं और वो ये सब इसलिए करते हैं क्योंकि उन्हें भ्रष्टाचार का, कमीशन का और कट मनी का हिस्सा मिलता है। उन्होंने जो रास्ता चुना है, उसमें ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ती।

विपक्षी दलों की पटना में हुई बैठक को लेकर पीएम मोदी ने कहा कि आजकल बार–बार एक शब्द आता है– गारंटी। ये सारे विपक्षी दल भ्रष्टाचार की गारंटी हैं। ये गारंटी हैं लाखों–करोड़ रुपयों के घोटालों की। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले इनका एक फोटो ऑप कार्यक्रम

हुआ। उस फोटो में जो लोग हैं उन सब का मिल कर टोटल करेंगे तो ये सारे मिल कर कम से कम 20 लाख करोड़ रुपये के घोटाले की गारंटी हैं। मोदी ने बगैर किसी ठोस कार्यक्रम के समाप्त हुई विपक्षी दलों की बैठक पर प्रहार करते हुए कहा कि अकेले कांग्रेस का ही लाखों करोड़ों का घोटाला है। इन पार्टियों के पास घोटालों का ही अनुभव है और इसीलिए इनकी अगर कोई गारंटी है तो वो है– घोटालों की गारंटी। अगर उनकी घोटाले की गारंटी है, तो मोदी की भी एक गारंटी है, हर घोटालेबाज पर कार्रवाई की गारंटी। आश्चर्य की बात यह है कि केंद्र सरकार के खिलाफ ईडी और सीबीआई के दुरुपयोग का आरोप लगाने वाले विपक्षी दलों में से किसी ने भी प्रधानमंत्री के आरोपों का खंडन तक नहीं किया। विपक्षी दल ईडी की कार्रवाई के विरोध में सुप्रीम कोर्ट से पहले ही मात खा चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट ने ईडी की कार्रवाई के मामले में दखल देने से इंकार कर दिया था। प्रधानमंत्री मोदी के विपक्ष पर लगाए भ्रष्टाचार के आरोपों को बल इस बात से मिलता है कि विपक्षी नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के ज्यादातर मामलों में अदालत ने कोई राहत नहीं दी है। इसी कड़ी में एक मामला तमिलनाडु के मंत्री सेंथिल बालाजी का भी शामिल हो गया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नौकरी के बदले नकदी मामले में मंत्री बालाजी को 14 जून को गिरफ्तार किया था। चेन्नई सत्र न्यायालय ने न्यायिक हिरासत 12 जुलाई तक बढ़ाने का आदेश दिया है। इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गयी थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालय के फैसले में दखल देने से मना कर दिया। गौरतलब है कि बालाजी पर रिश्वत लेकर परिवहन विभाग में नौकरी देने का आरोप है।विपक्षी के लिए बेशक भ्रष्टाचार मिटाने का मुद्दा प्रमुख न हो पर इस मामले में भारत की स्थिति भयावह है। करप्शन परसेप्शन इंडेक्स 2022 की 180 देशों की सूची में भारत को 40 अंकों के साथ 85वें पायदान पर रखा गया। दुनिया भर के देशों में करप्शन के स्तर को मापने वाला यह इंडेक्स हर साल संगठन ट्रान्सपैरेंसी इंटरनेशनल द्वारा जारी किया जाता है। निश्चित तौर पर राज्यों में व्याप्त भ्रष्टाचार के कारण ही भारत की यह स्थिति बनी है। विशेषकर विपक्षी दलों की सत्ता वाले राज्यों में भारी भ्रष्टाचार व्याप्त है। यह विपक्षी दलों के लिए कभी भी चिंता का विषय नहीं बना। इंडियन करप्शन सर्वे 2019 की रिपोर्ट के मुताबिक सबसे भ्रष्ट राज्यों की सूची में राजस्थान नंबर एक पर रहा। भ्रष्टाचार की इस लिस्ट में बिहार दूसरे नंबर पर रहा। बिहार के सर्वे में 75 फीसदी लोगों ने कहा कि उन्हें काम करवाने के लिए रिश्वत देनी पड़ी। 50 फीसदी लोगों ने कहा कि उन्हें अधिकारियों को कई बार पैसे देने पड़े। तकरीबन 25 फीसदी लोगों ने कहा कि केवल उन्हें एक या दो बार घूस देना पड़ी। झारखंड देश में भ्रष्टाचारी राज्यों की सूची में तीसरे पायदान पर आया। 74 फीसदी लोगों ने कहा कि उन्हें अपना काम करवाने के लिए रिश्वत देनी पड़ी। इन 74 फीसदी लोगों ने कहा कि उन्होंने कई–कई बार घूस दी। उत्तर प्रदेश देश में भ्रष्टाचार में चौथे स्थान पर है। यहां 74 फीसदी लोगों ने कहा कि उन्हें अपना काम करवाने के लिए रिश्वत देनी पड़ी।प्रधानमंत्री मोदी के लगाए भ्रष्टाचार के आरोपों का कांग्रेस ने जवाब तक नहीं दे सकी। इसका प्रमाण राजस्थान है। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर कांग्रेस की हालत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि राजस्थान में भाजपा ने प्रमाण सहित भ्रष्टाचार के मामले पेश किए हैं। इसके बावजूद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित कांग्रेस के किसी भी वरिष्ठ नेता ने इसका प्रतिवाद तक करना उचित नहीं समझा। भाजपा के राज्यसभा सांसद किरोड़ी लाल मीणा ने 5,000 करोड़ रुपये के कथित घोटाले को लेकर सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय को शिकायत दर्ज कराने के बाद अब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। सांसद मीणा ने राजस्थान में जल जीवन मिशन के तहत पीएचईडी मंत्री महेश जोशी और पीएचईडी के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुबोध अग्रवाल के खिलाफ 20 हजार करोड़ रुपये के घोटाले का गंभीर आरोप लगाया है। भाजपा सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने मंत्री धारीवाल पर 45 करोड़ की जमीन कौड़ियों के भाव बांटने के आरोप लगाए।

राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी प्रमुख व नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल राजस्थान में बजरी माफिया खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं। पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर पहले ही भ्रष्टाचार के बचाव का बड़ा आरोप लगा चुके हैं। पायलट ने गहलोत सरकार पर भाजपा की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के कार्यकाल में 45 हजार करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप लगाया था। यह निश्चित है कि जब तक विपक्षी दल भ्रष्टाचार सहित राष्ट्रहित से जुड़े अन्य मुद्दों पर अपना दृष्टिकोण साफ नहीं करेंगे तब तक एकता होने के बावजूद देश के लोगों का भरोसा जीतना आसान नहीं है। भाजपा विपक्षी दलों को लगातार निशाने पर लेती रहेगी।

रिजर्व बैंक की ऐसी मेहरबानी क्यों?

अजीत द्विवेदी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 29 मार्च 2023 को एक प्रेस कांफ्रेंस में पूछे गए सवाल के जवाब में बताया था कि पिछले पांच साल में यानी 2017 से 2022 के बीच भारत के सरकारी बैंकों ने 7.34 लाख करोड़ रुपए की राशि बट्टे खाते में डाली है यानी राइट ऑफ किया है। इसमें से सिर्फ 14 फीसदी यानी 1.03 लाख करोड़ रुपए की राशि की वसूली हो पाई है और 6.31 लाख करोड़ रुपए की राशि अब भी फंसी हुई है। बैंक द्वारा अपने किसी कर्ज को बट्टे खाते में डालने का मतलब होता है कि इसे भूल जाएं, इसकी वसूली मुश्किल है।

वित्त मंत्री ने बताया नहीं लेकिन कई दूसरे स्रोत से आई खबरों से पता चलता है कि बट्टे खाते में डाली गई ज्यादातर रकम बड़ी कंपनियों और बड़े कारोबारियों की है। किसानों, छोटे कारोबारियों, एमएसएमई सेक्टर के कारोबारियों आदि के कर्ज की रकम आमतौर पर बट्टे खाते में नहीं डाली जाती है। अगर इनको कर्ज से राहत देनी होती है तो बड़े गाजे–बाजे के साथ उसका ऐलान होता है और राजनीतिक लाभ लिया जाता है।

सरकारी बैंकों की इतनी बड़ी रकम राइट ऑफ करने के बावजूद अब भी 12 सरकारी बैंकों की 4.58 लाख करोड़ रुपए की रकम एनपीए है। इस बीच भारतीय रिजर्व बैंक ने एक नया सरकुलर जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि बैंक विलफुल डिफॉल्टर्स यानी जान–बूझकर कर्ज नहीं चुकाने वालों के साथ भी समझौता कर सकते हैं। ऐसा व्यक्ति, जिसने किसी बैंक से कर्ज लिया है और कर्ज चुकाने की स्थिति में होने के बावजूद कर्ज नहीं चुकाए उसे विलफुल डिफॉल्टर कहा जाता है। ऐसे व्यक्ति या ऐसी किसी ईकाई से बैंकों को क्यों समझौता वार्ता करनी चाहिए? अगर वह व्यक्ति या ईकाई दिवालिया नहीं हुए हैं और कर्ज लौटाने की स्थिति में हैं तो उनसे पूरे कर्ज की वसूली करने की बजाय उनसे समझौता करने या कम पैसे की वसूली का क्या तर्क हो सकता है, सिवाए इसके कि भारत का केंद्रीय बैंक उनके ऊपर मेहरबानी दिखाना चाह रहा है?सोचें, एक तरफ किसानों के कर्ज नहीं चुका पाने की वजह से उनकी जमीनों की कुर्की हो रही है और दूसरी ओर कर्ज चुकाने में सक्षम लोगों के साथ समझौता करने का नियम बन रहा है? पिछले दिनों राजस्थान सरकार ने विधानसभा में बताया कि कर्ज नहीं चुका पाने की वजह से पिछले चार साल में 19 हजार से ज्यादा किसानों की जमीन की कुर्की हुई है। उससे थोड़े दिन पहले अप्रैल में मध्य प्रदेश के खरगौन से एक खबर आई थी, जिसमें बताया गया था कि एक किसान ने अपनी छह एकड़ जमीन के ऊपर नर्मदा झाबुआ ग्रामीण बैंक से कर्ज लिया था। एक लाख 63 हजार रुपए के कर्ज में से उसने डेढ़ लाख रुपए लौटा दिए थे लेकिन सिर्फ 13 हजार रुपए के लिए बैंक कर्मचारी उस किसान की जमीन की कुर्की करने पहुंचे। हैरान करने वाली बात यह थी कि बैंक कर्मचारी बैंड बाजे के साथ उस किसान के घर गए और जबरदस्ती उससे जमीन के कागज पर अंगूठा लगवाया। राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ ने इस घटना पर विरोध दर्ज कराया था। कुछ दिन पहले ही झारखंड में एक किसान से कर्ज वसूली करने पहुंचे एक वित्तीय संस्था के कर्मचारियों की ज्यादती की वजह से किसान की गर्भवती बेटी की मौत हो गई थी। एक तरफ छोटे किसानों के साथ बैंकों का ऐसा बरताव है और दूसरी ओर भारत का केंद्रीय बैंक विलफुल डिफॉल्टर्स के ऊपर मेहरबानी दिखा रहा है!

रिजर्व बैंक का सरकुलर हैरान करने वाला है लेकिन उससे भी ज्यादा हैरान करने वाली बात यह है कि पिछले दो साल में विलफुल डिफॉल्टर्स की संख्या में 41 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। क्या विलफुल डिफॉल्टर्स को अंदाजा था कि देश का केंद्रीय बैंक उन पर मेहरबानी दिखा सकता है? भारत में कुल विलफुल डिफॉल्टर्स की संख्या बढ़ कर 16 हजार से ज्यादा हो गई है, जिनके ऊपर तीन लाख 46 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा बकाया है। रिजर्व बैंक के सरकुलर के मुताबिक भारत के सरकारी बैंक जान–बूझकर कर्ज नहीं लौटाने वाले इन लोगों के साथ समझौता करके औने–पौने में कर्ज सेटलमेंट का फैसला कर सकते हैं। इतना ही नहीं ऐसे डिफॉल्टर्स के लिए एक साल का कूलिंग ऑफ पीरियड भी कर दिया गया है। यानी जान–बूझकर कर्ज नहीं लौटाने वाले जिन डिफॉल्टर्स के साथ बैंकों का समझौता होगा वे समझौते के एक साल बाद ही नए कर्ज के लिए आवेदन कर पाएंगे। पहले ऐसे डिफॉल्टर्स को कोई भी बैंक दोबारा कर्ज नहीं देता था। लेकिन अब एक साल बाद वे फिर कर्ज ले सकेंगे। सोचें, किसी भी देश का केंद्रीय बैंक आम आदमी के पैसे के ऐसे दुरुपयोग का मनमाना फैसला कैसे कर सकता है? भारतीय रिजर्व बैंक के इस सरकुलर का एक मतलब यह भी है कि जितने कारोबारियों ने देश के बैंकों को चूना लगाया और बकाया पैसा लौटाने की बजाय देश छोड़ कर चले गए उन सबके साथ बैंकों का समझौता हो सकता है। वे अपने बकाया कर्ज को औने पौने में सेटल कर सकते हैं। यह स्पष्ट रूप से आम आदमी के खून पसीने की कमाई से लुटेरों की जेब भरने की स्कीम है। यह एक तथ्य है कि भारत के बैंकों की कमाई बढ़ रही है और पहली बार वित्त वर्ष 2022–23 में सरकारी बैंकों की कमाई एक लाख करोड़ रुपए से ऊपर पहुंच गई है। ब्याज से बैंकों को होने वाली कमाई में 35 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। ऊपर से सभी बैंकों ने ग्राहकों के ऊपर दस तरह के शुल्क लगाए हैं। हर छोटी बड़ी सेवा के लिए शुल्क लगा दिया गया है, जिससे बैंकों की कमाई में बेतहाशा बढ़ोतरी हो रही है। न्यूनतम बैलेंस नहीं मेंटेन कर पाने वाले गरीब ग्राहकों से हजारों करोड़ रुपए की कमाई बैंकों ने की है और वह कमाई जान–बूझकर कर्ज नहीं लौटाने वालों पर लुटाए जाने की तैयारी हो गई है।

जब रिजर्व बैंक ने यह सरकुलर जारी किया तो बैंक संघों और कर्मचारियों ने इसका विरोध किया। ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कन्फेडरेशन और ऑल इंडिया बैंक एम्पलाई एसोसिएशन ने इस सरकुलर का विरोध किया है। लेकिन रिजर्व बैंक के ऊपर इसका कोई असर नहीं हुआ है। वह अपने सरकुलर पर कायम है। कायदे से इस तरह की कोई भी पहल सबसे पहले किसानों के लिए होनी चाहिए और उसके बाद एमएसएमई सेक्टर के छोटे कारोबारियों के लिए। इसके साथ ही जितने भी बैंक, नॉन बैंकिंग वित्तीय कंपनियां यानी एनबीएफसी और माइक्रो फाइनेंस इंस्टीट्यूशंस यानी एमएफआई हैं उनके ऊपर सख्ती होनी चाहिए कि वसूली के नाम पर उनके कर्मचारी या भाड़े के गुंडे गरीबों, किसानों, मजदूरों और छोटे कारोबारियों पर ज्यादती न करें।

टाईटन का फितूरी रोमांच!

श्रुति व्यास

टाईटेनिक विचित्र जुनून का नाम है। 111 साल पहले समुद्र में डुबे टाइटैनिकके प्रति कौतुकता जुनून की हद तक है।इसके एक सदी से भी ज्यादा समय से पड़े अवशेषों में लोगों की इतनी रूचि, उत्सुकता और आकर्षण है कि मुझे तो समझ नहीं आता कि ऐसा क्यों है?सवाल है क्या हमें जिंदगी और मौत के बीच झूलते हुए सन् 1912 में हुई एक त्रासदी के अवशेषों की झलक केवल इसलिए देखनी चाहिए क्योंकि हमें खतरों से खेलना है, क्योंकि हमें रोमांच चाहिए? इसी जुनून ने पिछले हफ्ते पांच लोगों की जान ले ली। इस दुर्घटना के बाद श्सपनों के जहाजश् के प्रति सम्मोहन की चर्चा एक बार फिर होने लगी है।टाइटैनिक के समुद्र में समाने की घटना के प्रति आर्कषण और जिज्ञासा का भाव यदि आज भी महसूस किया जा रहा है तो उसका एक मुख्य कारण है जेम्स कैमरून द्वारा 1997 में बनाई गई सुपरहिट फिल्म श्टाईटेनिकश्, जिसने कई पुरस्कार जीते थे।उसके बाद टाईटेनिक की त्रासदी से प्रेरित किताबों, फिल्मों, वीडियो गेम्स और म्यूजिकल्स की बाढ़ आई। शोधकर्ताओं को दशकों तक खोज और बहस–मुबाहिसे करने का मसाला मिला। टाइटैनिक की दुर्घटना को अमर बनाने के लिए कम से कम सात मोबाइल संग्रहालयों पर बड़ी रकम खर्च की गई है। इनसे उतनी ही कमाई भी हुई है। ये संग्रहालय और इनमें प्रदर्शित वस्तुएं पूरी दुनिया का चक्कर लगाती रहती हैं।एटलांटिक महासागर की गहराईयों में डूबने के 111 साल बाद भी यह बदनसीब लक्जरी जहाज खबरों में बना हुआ है। इसके मलबे की नई–नई तस्वीरें जारी होती हैं, इसकी नई–नई प्रतिकृतियां बनाई जाती हैं और समुद्र के तल से इसके बचे हुए टुकड़ों को सतह पर लाने के अभियान चलते रहते हैं। पिछले कुछ सालों से टाइटैनिक टूरिज्म भी शुरू हो गया है।टाईटन नाम के एक सबमर्सिबिल (पनडुब्बी जैसा पोत) में एक बार में पांच लोगों को टाइटैनिक के अवशेष दिखाने समुद्र के तल पर ले जाया जाता है। ओशनगेट एक्सपीडिशन्स नाम की एक कंपनी इन यात्राओं का संचालन सन् 2021 से कर रही है। हर यात्री को 2.5 लाख अमरीकी डालर चुकाने होते हैं। समुद्र के तल तक की इस यात्रा, जिसमें जाहिर है जोखिम होता ही है, के लिए आसानी से ग्राहक मिल जाना इस बात का सुबूत है कि टाइटैनिक किस हद तक लोगों के दिलो–दिमाग पर, उनकी कल्पना में छाया हुआ है।और फिर वह टाइटन भी गायब हो गया। पूरी दुनिया मानो सन्न रह गई। अखबारों ने इस खबर को पहले पन्ने पर छापा और यात्रियों को ढूंढने के लिए कई देशों की कई एजेंसियों ने समुद्र के उस हिस्से में डेरा डाल दिया जहाँ इसे पानी में उतारा गया था। इस खोज में कुछ भी नया एक बड़ी खबर बन जाता था। रात–दिन चल रहे इस कवरेज को देखने के लिए लोग अपने टीवी सेटों, मोबाईल फोनों और सोशल मीडिया पेजों से चिपके रहे। और हां, हम सबने गूगल बाबा से पूछा कि सबमर्सिबिल और सबमरीन में क्या अंतर होता है।जेम्स केमरून, जो कि एक अनुभवी अंडरवाटर खोजी भी हैं और आरएमएस टाईटेनिक के अवशेषों की 33 यात्राएं कर चुके हैं, ने कुछ खरी–खरी बातें कहीं है। उन्होंने कहा, श्मैं इस दुर्घटना और टाइटैनिक त्रासदी के बीच समानताओं से अचंभित हूं। टाइटैनिक के कप्तान को भी बार–बार चेताया गया था कि समुद्र में बर्फ के पहाड़ तैर रहे हैं। परंतु वह पूरी गति से अमावस की उस रात आगे बढ़ता गया। और नतीजे में सैकड़ों लोग मारे गएष्।केमरून ने एबीसी न्यूज को बताया, श्इस मामले में भी चेतावनियों की उपेक्षा की गई। और नतीजे में ठीक उसी जगह पर एक और त्रासदी हुईष्।उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में गहरे समुद्र में गोताखोरी होती रहती है। ऐसे में इस तरह की दुर्घटना हो जाना सचमुच आश्चर्यजनक हैष्।केमरून के नेतृत्व में समुद्र की अतल गहराईयों तक पहुंचने में सक्षम एक सबमर्सिबिल का निर्माण किया गया था और उसमें बैठकर वे धरती के सबसे गहरे समुद्रतल पर अकेले जाने वाले पहले व्यक्ति बने थे। मारियाना ट्रेंच में स्थित चौलेंजर डीप नामक इस स्थान से ज्यादा गहरी जगह के बारे में मनुष्य आज तक तो नहीं जानता।केमरून ने यह खुलासा भी किया कि गहरे समुद्र में काम करने वाले कई लोगों और विशेषज्ञों ने ओशनगेट को मेल लिखे थे जिनमें उन्होंने यह आशंका जाहिर की थी कि कंपनी जो कर रही है उसमें बहुत जोखिम है। और यह भी कि इस तरह के पोत में यात्रियों को ले जाने के पहले पोत की मजबूती की जांच और उसका प्रमाणीकरण किया जाना चाहिए। परंतु इन चिंताओं और चेतावनियों के बाद भी टाइटन की यात्राएं जारी रहीं और अपनी अंतिम यात्रा में अन्दर हवा का दबाव कम होने से वह पिचक कर धातु का एक लौंदा बन गयी।टाइटैनिक के डूबने के बाद से समुद्र में कई त्रासदियां हो चुकी हैं। टाइटन की दुर्घटना के कुछ ही दिन पहले 750 प्रवासियों को ले जा रही मछली पकडने की एक नौका भूमध्य सागर में डूब गई थी। इसमें सवार लोगों में से ज्यादातर पाकिस्तानी और अफगान थे और वे सब इटली जा रहे थे। इस जहाज की डेक के नीचे 100 बच्चे थे। इस दुर्घटना में कितने लोग मारे गए यह अभी साफ नहीं है। पिछले कुछ सालों में इस तरह की कई नावें और जहाज डूब चुके हैं। इन दुर्घटनाओं में सैकड़ों प्रवासी मारे गए और सैकड़ों गायब हैं। परंतु न तो पश्चिमी मीडिया, न वहां की सरकारों और ना ही वहां के लोगों ने कभी इन दुर्घटनाओं को उतनी तवज्जो दी जितनी कि पांच रईस सैलानियों की मौत को दी है। समुद्र में डूबे प्रवासियों को ढूंढने की कोशिश बहुत अनमने ढंग से की गई जबकि कुबेरपति पर्यटकों की खोज में जमीन–आसमान एक कर दिया गया। प्रवासियों को उनकी मौत के लिए खुद जिम्मेदार ठहराया जाता है। हमें मीडिया यह नहीं बताता कि उनके परिवारों की बदहाली, गरीबी और भूख के चलते वे मजबूर होकर छोटी–छोटी नावों में समंदर के रास्ते अपने स्वर्ग की तलाश में निकलते हैं। इसके विपरीत इन पांच रईसों के शोक में मानों पूरी दुनिया दुरूखी थी। जिंदगी में तो गैरबराबरी है ही, मौत में भी गैर–बराबरी है।

हर जान कीमती होती है। और हर मौत दिल तोडने वाली। परंतु जो लोग आजादी और पेट भर रोटी की तलाश में जान गंवा देते हैं उनकी त्रासदी उन लोगों से कहीं अधिक गंभीर है जो केवल अपनी रोमांचक यात्राओं की सूची में एक और नाम जोडने के लिए खतरे उठाते हैं। इस बात की संभावना बहुत कम है कि समुद्र के तल पर बिखरे इतिहास के अवशेषों की तलाश में इस तरह की दुर्घटना अगले कुछ सालों में फिर से हो। परंतु बेहाल प्रवासियों से भरी नावें डूबती रहेंगीं। अगर एटलांटिक महासागर के तल में सपनों का जहाज है तो भूमध्य सागर भी सपनों की कब्रगाह बन चुका है। सन् 2014 से लेकर अब तक इसमें 25,000 लोग डूबकर मर चुके हैं।

केमरून ने कहा कि अवशेष हमें कहानियां सुनाते हैं और हमें हमारे बारे में कुछ बताते हैं। इन दोनों त्रासदियों ने हमें आईना दिखाया है। एक ओर है अतीत के प्रति आकर्षण के वशीभूत हो फफूंद से ढंके टाईटेनिक के अवशेषों को छूने की इच्छा। दूसरी ओर है समुद्र के गर्भ में आज समा रहे लोग।

टाईटेनिक के प्रति मोह के कारण होने वाली त्रासदियों को अब और नहीं होने देना नहीं चाहिए। टाईटेनिक डूब चुका है।उसे हमें अब भुलाकर आगे बढना चाहिए।

लोक कल्याण दिवस के रूप में मनाया गया अखिलेश यादव का जन्मदिन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। समाजवादी पार्टी कार्यालय पर पूर्व मुख्यमंत्री सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के 50 वें जन्मदिन को लोक कल्याण दिवस के रूप में जिलाध्यक्ष डां अवधनाथ पाल के नेतृत्व में केक काटकर धूमधाम से मनाया गया वहीं कार्यालय पर रक्त दान शिविर एवं अनाथालय में फल वितरण एवं विभिन्न विद्यालय में पौधारोपण लगाने का आयोजन किया गया। जिलाध्यक्ष डां अवधनाथ पाल ने जन्मदिन समारोह को संम्बोधित करते हुए कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने समाजवादी सरकार जो लोग कल्याण योजनाओं को चलाकर उत्तर प्रदेश को खुशहाली के रास्ते पर ले लगें थें लेकिन वर्तमान सरकार ने सब योजनाओं को खत्म करने का काम किया आज हमारे नेता का जन्मदिन देश और प्रदेश के मजदूर, किसान, शोषित, पीड़ित, वंचित, छात्र नौजवान

सब बडे पैमाने पर गांव गांव मनाने का काम कर रहे है उन सभी को अखिलेश यादव पर भरोसा है कि उनको न्याय अधिकार सिर्फ समाजवादी सरकार में ही मिल सकता है आज हम लोग अखिलेश यादव के जन्मदिन के अवसर पर संकल्प लें कि 2024 में भाजपा सरकार को देश से हटाकर देश में समाजवादी सरकार लाकर इस देश में लोग कल्याण योजनाओं को लागू कराकर देश को खुशहाली के रास्ते पर लें जायेंगे। रक्त दान करने वालों में मुख्य रूप से, अंखड प्रताप यादव, श्रवण जयसवाल, इर्शाद मंसूरी, संजीव साहू रत्नाकर चौबे,मोहम्मद मुस्किन आदि लोगों ने किया । जन्मदिन समारोह में मुख्य रूप से विधायक तूफानी सरोज, लालबहादुर यादव,श्रद्धा यादव,राजबहादुर यादव, यशवंता यादव,डां शकील,राजदेव यादव, राजन यादव,राहुल त्रिपाठी,राजेंद्र टाइगर,रुक्सार अहमद हिरालाल विश्वकर्मा,राममूर्ति सरोज,शकील अहमद,अनवारुल गुड्डू,पूनम मौर्या, शर्मिला यादव तारा त्रिपाठी,संजय राजभर,महेंद्र यादव,अनील दूबे रमापति यादव,जियालाल विश्कर्मा,साजिद अलीम,मनोज अग्रहरी आरीफ हबीब,भारत यादव त्रिभुवन यादव,सचिन यादव,मनोज मौर्या,शेखर साहू,धर्मेंद्र सोनकर आदि लोग उपस्थित रहे ।

संत श्रीपाल का जीवन दर्शन हर मानव को दिशा–बोध प्रदान करता रहेगा : डॉ0 एम एल गुप्ता

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)शिव सत्संग मण्डल आश्रम के संस्थापक ब्रह्मलीन संत श्रीपाल ने धार्मिक आध्यात्मिक एवं नैतिक मूल्यों के प्रसार के लिए संत श्रीपाल ने शिव सत्संग मण्डल आश्रम की स्थापना ग्रामीण अंचल में की। यह बात डॉ एम एल गुप्ता ने शिव सत्संग मण्डल आश्रम के संस्थापक ब्रह्मलीन संत श्रीपाल जी महाराज की 82 वीं जन्म जयंती के पावन अवसर पर निवर्तमान ब्लॉक प्रमुख रोली गुप्ता के आवासीय परिसर में आयोजित समारोह में कही। साधकों,सत्संगीजनों एवं अभ्यागतों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जीवन के सत्य, सत्संग,सुमिरन व परमात्मा को पाने के लक्ष्य को संत एवं सत्संग परंपरा से ही पाया जा सकता है।संत श्रीपाल का जीवन दर्शन हर मानव को दिशा–बोध प्रदान करता रहेगा और वह प्रासंगिक बने रहेंगे। डॉ गुप्ता ने कहा कि सनातन संस्कृति का मूलमंत्र वसुधैव कुटुंबकम है।ज्ञान योग,कर्म यात्म के क्षेत्र में नव चेतना जागृत हुई। उनका स्पष्ट मानना था कि एल गुप्ता एवं भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के जिला संयोजक नवनीत गुप्ता ने

योग एवं भक्ति योग से जोड़कर संतों ने हमें ईश्वर से जोड़ने के प्रयास किए। संयोजक अम्बरीष कुमार सक्सेना ने बताया कि संत श्रीपाल के अथक प्रयासों के चलते धर्म अध्यात्म के क्षेत्र में नव चेतना जागृत हुई। उनका स्पष्ट मानना था कि शिवत्व की प्राप्ति से ही अमरत्व की प्राप्ति की जा सकती है। शिवोपासना से मुक्ति और मोक्ष पाया जा सकता है। योग प्रशिक्षक योगेश गुप्ता ने अष्टांग योग यम,नियम,आसन, प्राणायाम, धारणा,ध्यान और समाधि पर प्रकाश डालते हुए जीवन धारा को परमपिता परमेश्वर से जोड़ने का आग्रह करते हुए ब्रह्ममुहूर्त में उठने पर जोर दिया।

सुतीक्ष्ण राठौर ने गुरु पर आधारित कविता के माध्यम यथार्थ ज्ञान दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ एम एल गुप्ता एवं भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के जिला संयोजक नवनीत गुप्ता ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर , सामूहिक ईश प्रार्थना से किया। इस अवसर पर निवर्तमान ब्लॉक प्रमुख रोली गुप्ता, पंकज सिंह, रमाकांत मौर्य, जितेन्द्र गुप्ता, सत्येन्द्र श्रीवास्तव, रोहित गुप्ता, अश्मित बाथम,आलोक गुप्ता,शिव पूजन हिन्दू, अशोक गुप्ता,भाई लाल,नीरज सिंह, संजीव गुप्ता एवं संघ के सह नगर कार्यवाह श्याम जी गुप्ता आदि साधक, सत्संगीजन और अभ्यागत मौजूद रहे।कार्यक्रम का समापन सामूहिक ध्यान लगाकर किया गया।

लायन्स क्लब क्षितिज, जौनपुर के नवीन सत्र की साधारण सभा की बैठक मे संपन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर लायन्स क्लब क्षितिज जौनपुर की नवीन सत्रारंभ के पूर्व साधारण सभा की बैठक एक होटल

में सम्पन्न हुई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता निवर्तमान अध्यक्ष लायन जय किशन साहू जैकी द्वारा किया गया । सत्र 2023– 24 के अध्यक्ष लायन धर्मेंद्र सेठ द्वारा आगामी सेवाकार्यो पर चर्चा की गई व नवीन कार्यकारिणी की घोषणा की गई तथा संस्थापक अध्यक्ष शशांक सिंह रानू द्वारा संस्था में शामिल हुए नए लोगों के बारे में सदन में चर्चा की गई ।सभी सदस्यओ ने पूर्णतः सहयोग का आश्वासन दिया तथा संस्था को अच्छे सेवा कार्य करने हेतु सदस्यों तथा पदाधिकारियों द्वारा सुझाव दिए गए। पूर्व अध्यक्ष दिलीप सिंह द्वारा अपने कुछ विचार दिए गए जिससे कि संस्था को नई ऊंचाइयों पर ले जाया जा सके सके। निवर्तमान अध्यक्ष जय किशन साहू ने आगामी सत्र 2023– 24 के लिए अपने अनुभव को साझा करते हुए भरपूर सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम का सफल संचालन निवर्तमान सचिव प्रदीप सिंह ने किया। इस मीटिंग मे प्रदीप श्रीवास्तव, विनय बरौतीया , संजय बैंकर, अतुल सिंह, अजीत सोनकर, संजय कुमार गुप्ता, जगन्नाथ मोदनवाल ,राजीव गुप्ता ,डॉ चंदन ,नीरज सिंह ,हसन अब्बास, विशाल बरनवाल ,दिलीप जायसवाल कौशल त्रिपाठी, सुनील कनौजिया, संजय जायसवाल, सुनील जायसवाल , डॉक्टर सतीश डॉ विकास रस्तोगी देवेंद्र सिंह पिंकू , दीपक साहू आदि नए कार्यकारिणी सदस्य के रूप में उपस्थित रहे ।

डॉक्टर्स डे की पूर्व संध्या पर सेवा समर्पण सम्मान समारोह का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर – अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट परिवार के तरफ से डॉक्टर्स डे की पूर्व संध्या पर सेवा समर्पण सम्मान समारोह का आयोजन नगर के एक हाल मे आयोजित किया गया, जिसमें ट्रस्ट परिवार के तरफ से शहर के 21 चिकित्सक और 20 ब्लड डोनर का सम्मान मुख्य चिकित्सा अधिकारी श्रीमती लक्ष्मी सिंह के द्वारा किया गया, कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ लक्ष्मी सिंह और सम्मानित चिकित्सको के द्वारा दीप प्रज्वलित के साथ किया गया! उसके पश्चात बाल कलाकार अतुलिका सिंह के द्वारा गणेश बंदना प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के विषय में ट्रस्ट की अध्यक्ष उर्वशी सिँह ने कहा कि डॉक्टर कोरोंना और डेंगू जैसे महामारी के दौर में बिना अपने स्वारथ की चिंता किए खुद संक्रमित होते हुए भी समाज में अपनी अहम भूमिका निभा रहे थे, उर्वशी सिँह ने कहा कि डॉक्टर का धर्म सिर्फ मरीज

को ठीक करना होता है। हमारी भी यही अपेक्षा है कि चिकित्सक हमेशा इस भाव को कायम रखें।मुख्य अतिथि डॉ लक्ष्मी सिंह ने कहा कि ट्रस्ट द्वारा समय समय पर बहुत ही बेहतर और उत्कृष्ट कार्य किया जा रहा है जो बहुत ही सराहनीय कार्य है!

सम्मानित होने वाले चिकित्सको मे डॉ अरुण कुमार मिश्रा आई एमए अध्यक्ष, डॉ वी एस, डॉ तेज सिंह डॉसंजय सिंह डॉ सुभाष सिंह, डॉ जयेश सिंह डॉ स्पृहा सिंह, डॉ शैली निगम डॉ रजनीशश्रीवास्तव डॉ अभय सिंह डॉ सुष्मिता सिंह डॉ बी के यादव डॉ वीरेंद्र यादव डॉ उत्तम गुप्ता डॉ इंद्रसेन सिंह, डॉ रॉबिन सिंह डॉ विपुल सिंह डॉ सौरभ कांत श्रीवास्तव ,डॉ पी के सिंह , डॉ आकांक्षा द्विवेदी, डॉ मिथिलेश श्रीवास्तव निर्मल श्रीवास्तव के अलावा 20 डोनर को सम्मानित किया गया, कार्यक्रम का आभार ट्रस्ट परिवार से अरुण सिंह ने ज्ञापित किया! कार्यक्रम में मुख्य रूप से ट्रस्ट परिवार के साथ नागेंद्र सिंह शिवा सिंह शशिकांत सिंह पूनम सिंह आशीष श्रीवास्तव, ज्योति श्रीवास्तव, मीरा अग्रहरी, ममता गुप्ता, कनक सिंह, कंचन सिंह राधिका सिंह रजत सिंह मयंक नारायण, यशी गुप्ता, शास्वत सिंह दीपक श्रीवास्तव, ज्ञान चन्द गुप्ता विद्याधर राय सुधान्सू विश्वकर्मा के साथ अन्य लोग उपस्थित रहे।

प्रविष्टियां भेजने की अंतिम तिथि 14 अगस्त 2023

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। युवा रचनाकारों (18 से 30 वर्ष) को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान द्वारा कहानीध्कविताधनिबंध प्रतियोगिता हेतु प्रविष्टियां आमंत्रित है। कहानीध्कविताधनिबंध तीन प्रतियों में कंप्यूटर टाइप ए–4 आकार में भेजनी होगी। कहानी अधिकतम 2500 शब्द व कविता अधिकतम 500 शब्द (एक ओर टकित हो)। निबंध 'प्रकृति और हम' विषय पर केंद्रित होगा, जो अधिकतम 2500 शब्द का (एक ओर टंकित) होगा। कहानीध्कविता भारतीय सामाजिक सांस्कृतिक मूल्य पर केंद्रित होनी चाहिए। कहानी/ कविता/निबंध पर शीर्षक के अतिरिक्त लेखक का नाम व पता अंकित नहीं होना चाहिए। अलग पृष्ठ पर कहानी/कविता/निबंध के शीर्षक के साथ प्रतिभागी का नाम, पता दूरभाष संख्या सहित हाई स्कूल प्रमाण पत्र की छाया प्रति संलग्न करना अनिवार्य है। पूर्व में पुरस्कृत रचनाकार की प्रविष्टि उसी विधा में स्वीकार नहीं की जाएगी। प्रविष्टि भेजने की अंतिम तिथि 14 अगस्त 2023 प्रविष्टियों निदेशक, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान राजर्षि पुरुषोत्तमदास टंडन हिंदी भवन 6 महात्मा गांधी मार्ग हजरतगंज लखनऊ 226001 के पते पर भेजी जायेगी। प्रविष्टि के लिफाफे पर कहानी/ कविताधनिबंध प्रतियोगिता लिखना अनिवार्य है। यह प्रतियोगिता उत्तर प्रदेश के युवा रचनाकारों के लिए है। प्रथम पुरस्कार रु0 7000, द्वितीय पुरस्कार 5000, तृतीय पुरस्कार 4000, सांत्वना पुरस्कार रु0 2000 पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

लड़की का खून से लथपथ खेत में पड़ा मिला शव

दुष्कर्म के बाद हत्या कर शव फेंकने की आशंका, पुलिस जांच में जुटी

हरदोई। थाना पचदेवरा इलाके में आज एक लड़की का खून से लथपथ शव खेतों में पड़ा मिला है। सूचना पर पहुंची पुलिस शव कब्जे में लेकर जांच में जुटी है।

पचदेवरा थाना क्षेत्र के बिसौली

गांव के खेतों में एक लड़की का शव पड़ा मिला। जिसके शरीर पर चोट के निशान और गले पर धारदार हथियार से वार किया गया है। लड़की के मुंह में कपड़ा ठूंसकर हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया। जिससे हत्या करते वक्त लड़की शोरगुल न मचा सकें। इस शातिरपन से हत्यारों ने घटना को अंजाम दिया। जिसके शरीर पर चोट के निशान और गला धारदार हथियार से रेता गया है। लड़की की दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका जताई जा रही है। जिसकी पहचान मोनी पुत्री आनंदपाल सिंह निवासी हथौड़ा के रूप में हुई लड़की का संदिग्ध अवस्था में शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। जैसे ही ग्रामीणों को इसकी भनक लगी तो वह मौके पर पहुंचने लगे। इस दौरान लोगों में तमाम तरह की अटकलें लगाई जाने लगी कि दुष्कर्म के बाद किशोरी की हत्या की गई। किसी ग्रामीण ने पुलिस को सूचना दी तो मौके पर पहुंची पुलिस जांच में जुट गई। जिसके बाद सीओ और एसपी ने भी मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का जायजा लिया। फिर पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद लड़की की पहचान मोनी(17) पुत्री आनंदपाल सिंह निवासी हथौड़ा के रूप में की। पुलिस ने उसके शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

एसपी राजेश द्विवेदी ने बताया कि बिसौली के खेतों में एक लड़की का शव पड़ा मिला है। जिसमें किसी अपने पर हत्या कर शव फेंकने की आशंका है। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में तहरीर और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर विधिक कार्रवाई की जायेगी। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं पर गहनता से जांच कर रही है।

अल्लीपुर महाविद्यालय के बी.एड. संकाय के सभी विद्यार्थी लगातार 9 वर्षो से प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हो रचा नया कीर्तिमान

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

हरदोई। लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा बी.एड. तृतीय सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया जिसमे डॉ.राम मनोहर लोहिया

स्नातकोत्तर महाविद्यालय ,अल्लीपुर, हरदोई के के सभी विद्यार्थियो ने लगातार 9 वर्षो से प्रथम श्रेणी मे उत्तीर्ण होकर रिकॉर्ड बनाया। इस अवसर संस्थापक–प्रबन्धक डॉ.सुशील चन्द्र त्रिवेदी मधुपेश ने सभी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण बच्चों को और उनके सम्मानित अभिभावक को शुभकामनायें दी ।उन्होने इस अवसर पर कहा कि महाविद्यालय के योग्य एवं अनुभवी शिक्षकों का कुशल मार्गदर्शन युक्त गुणवत्तापूर्ण शिक्षण – प्रशिक्षण और छात्र व छात्राओ के कठिन परिश्रम का परिणाम स्वरूप यह उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम प्राप्त हो सका है । महाविद्यालय के बी.एड संकाय के सभी बच्चे लगातार नौ वर्षो से प्रथम श्रेणी मे उत्तीर्ण हो रहे यह महाविद्यालय और पूरे हरदोई जनपद के लिए गौरव की बात है ।महाविद्यालय मे बी.एड के साथ–साथ विगत सत्रो से बी.ए., बी.एस–सी.,बी.काम.,एम.ए., एम. एस–सी. जनपद मे ही नही वरन विश्वविद्यालय मे सर्वोत्तम प्रदर्शन कर 12 स्वर्ण पदक (गोल्ड मेडल) प्राप्त करना अपने मे एक कीर्तिमान है । वही खेलकूद मे अन्तर्महाविद्यालीय प्रतियोगिताओ विजेता होकर विश्वविद्यालय मे अपना परचम लहराया है। इस बार रूचि सिंह ने 81.6प्रतिशत अंक अर्जित कर प्रथम, फाल्गुनी अग्निहोत्री ने 80.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय तथा अंकिता पाण्डेय और रितिका गुप्ता ने 79.4 प्रतिशत अंको के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया '78 बच्चो ने 70 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित किये' जबकि 19 बच्चे ने 65 प्रतिशत से अधिक अंको को प्राप्त किया। रूचि सिंह ने तृतीय प्रश्नपत्र मे सर्वाधिक 88 अंक प्राप्त तथा कई बच्चों ने 80 अधिक अंक प्राप्त किये हैं। विभागाध्यक्ष डॉ.शशिकान्त पाण्डेय ने सभी बच्चो मिष्ठान खिलाकर बधाई दी । इस अवसर पर आनन्द विशारद, डॉ. विवेक बाजपेयी, डॉ. सुबोध कुमार ,आदि शिक्षक गण उपस्थित रहे।

डॉक्टर्स डे के अवसर पर एस के डी हॉस्पिटल के डॉक्टर्स ने बेहतर चिकित्सा व स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एस के डी हॉस्पिटल के सभी डॉक्टर्स ने मिलकर डॉक्टर्स डे सेलिब्रेट किया स इस अवसर पर इस अवसर पर एस के डी ग्रुप के चेयरमैन एस के डी सिंह व निदेशक मनीष सिंह ने भी डॉ. आशीष सिंह को व सभी सहयोगी डॉक्टर्स को

सभी डॉक्टर्स को आपस में बधाई दी व उनके प्रतिदिन चिकित्सा करते हुए सेवा भावना की सराहना की स उनके चिकित्सा के द्वारा समाज की सेवा में योगदान के लिए बधाई दी व उनके इस पावन प्रोफेशन को नमन किया।

डॉ. आशीष सिंह, चिकित्साकीय निदेशक एस के डी हॉस्पिटल ने भी डॉक्टर्स को बधाई देते हुए कहा कि हमारा उद्देश्य समस्त मानवजाति को बेहतर से बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

इसीलिए एस के डी हॉस्पिटल द्वारा समय समय पर निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाए जाते हैं जिससे कि जनमानस को अधिक से अधिक लाभ मिल सके स हमने अपने हॉस्पिटल को भी अत्याधुनिक उपकारणों से व्यवस्थित किया है जिससे कि किसी भी तरह के इलाज में रूकावट ना आये भविष्य में भी हमारा यही प्रयास है कि हमारे हॉस्पिटल में बेहतरीन डॉक्टर्स के साथ साथ सभी तरह के इलाज की सुविधा हो जिसके फलस्वरुप किसी भी व्यक्ति को कोई असुविधा न हो

श्रद्धापूर्वक मनाया जाएगा गुरु पूर्णिमा महोत्सव

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सनातन धर्म परिषद आषाढ़ पूर्णिमा सोमवार ३ जुलाई २०२३ को निम्नलिखित स्थानों पर मनाया जाएगा श्रीरामचरितमानस के रचयिता गोस्वामी श्री तुलसीदास जन्मभूमि तुलसीधाम राजापुर सूकरखेत विकास खंड परसपुर तहसील करनैलगंज जनपद गोंडा उत्तर प्रदेश श्री – तुलसी जन्मभूमि न्यास योग के प्रणेता महर्षि पतंजलि जन्मभूमि पतंजलिपुरी कोंडर विकासखंड वजीरगंज जनपद गोंडा श्री पतंजलि जन्मभूमि न्यास तुलसी ननिहाल हुलसीग्राम भिलौरा बासृ विकासखंड फखरपुर तहसील कैसरगंज जनपद बहराइच गोस्वामी तुलसीदास ननिहाल न्यास – सीता भू प्रवेश धाम सीताद्वार तहसील इकौना जनपद श्रावस्ती श्रीसीता भू प्रवेश धाम ट्रस्ट रविवार २ जुलाई २०२३ को सनातन धर्म आश्रम सनातन नगर चिनहट लखनऊ में सनातन नगर विकास ट्रस्ट द्वारा गुरु पूर्णिमा आयोजित किया जाएगा। डॉ स्वामी भगवदाचार्य अन्तरराष्ट्रीय अध्यक्ष ने उक्त जानकारी दी।

डॉ. प्रदीप कुमार ने संभाला लखनऊ मण्डल के संयुक्त शिक्षा निदेशक माध्यमिक का कार्यभार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ मण्डल के नए संयुक्त शिक्षा निदेशक के पद पर डॉ0प्रदीप कुमार ने पदभार ग्रहण कर लिया। ज्ञातव्य है कि जे डी माध्यमिक लखनऊ मण्डल रहे सुरेन्द्र कुमार तिवारी को पदोन्नति देकर अपर शिक्षा निदेशक माध्यमिक (ए0डी0माध्यमिक) उत्तर प्रदेश बनाया गया है, जे डी माध्यमिक लखनऊ कार्यालय के मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डॉ0दिनेश कुमार ने बताया कि नए जे डी डॉ0 प्रदीप कुमार का ए डी माध्यमिक उत्तर प्रदेश सुरेन्द्र कुमार तिवारी द्वारा नवीन पद पर कार्यभार सौंप दिया गया साथ ही

पुष्पगुच्छ भेंटकर उनका स्वागत किया गया ।नए जे डी द्वारा कार्यालय के सभी स्टाफ का एक एक कर परिचय लिया गया,साथ ही सभी को लखनऊ मण्डल की माध्यमिक शिक्षा में उन्नयन के लिए एक जुट होकर कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर लखनऊ मण्डल के डी डी आर डॉ ओम प्रकाश मिश्रा, जिला विद्यालय निरीक्षक द्वितीय लखनऊ रावेन्द्र सिंह बघेल ,मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डॉ0दिनेश कुमार,लखनऊ की सह जिला विद्यालय निरीक्षक पूनम शाही उपस्थित रहीं।

केक काटकर मनाया गया सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का जन्मदिन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

खरगूपुर(गोंडा)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का जन्मदिन शनिवार को आरपीएस इंटर कॉलेज रामदेव नगर में लोक कल्याण दिवस के रूप में मनाया गया।भारी बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में मौजूद पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेश कुमार शुक्ल ने केक काटा।इसके बाद कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सपा के पूर्व जिला अध्यक्ष सुरेश कुमार शुक्ल ने अखिलेश यादव के मुख्यमंत्री कार्यकाल में कराए गए विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए आगामी 2024 के लोकसभा चुनाव में देवीपाटन मंडल के चारों लोकसभा सीटों पर चुनाव जीतकर अखिलेश यादव को जन्मदिन का तोहफा देने की अपील की।इस दौरान जमाल मोहम्मद चौधरी, मंसाराम मिश्रा, हरेंद्र कुमार पांडे ,मनोज कुमार मिश्र, अशोक दुबे ,सुनील तिवारी , रितेश शुक्ल , अटल बिहारी पांडे प्रधानाचार्य अशोक शुक्ल ,करताराम यादव, देवी प्रसाद तिवारी ,संजय सिंह, राजेश वर्मा सहित बड़ी संख्या में मौजूद लोगों ने अखिलेश यादव के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु होने की ईश्वर से प्रार्थना की।

मेजर बीरेंद्र सिंह तोमर को पुस्तक भेंट की

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। कानपुर महानगर निवासी साहित्यकार एवं अवकाश प्राप्त सूबेदार मेजर अशोक कुमार मिश्र ने स्वरचित पुस्तक कृष्णायन संजीवनी अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद कानपुर प्रांत के संगठन मंत्री मेजर बीरेंद्र सिंह तोमर को भेंट की। इस अवसर पर गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान का हुआ शुभारंभ

सीएमओ ने जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

अयोध्या।जिले में विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान का शुभारंभ कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी परिसर से किया गया। इस मौके पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अजय राजा ने जागरुकता रैली को रवाना कर लोगों को व्यक्तिगत साफ–सफाई रखने व वातावरण को स्वच्छ बनाने के लिए स्वयं तथा आस पास के लोगों को प्रेरित करने की शपथ दिलाई।मालूम हो कि यह अभियान 1 जुलाई से 31 जुलाई तक चलेगा।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएमओ ने कहा कि सरकार सूबे के हर गांव,ब्लॉक व जनपद के साथ–साथ पूरे प्रदेश को दिमागी बुखार से मुक्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए 11 विभागों के आपसी समन्वय से जनपद में विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान आज से प्रारंभ होकर 31 जुलाई तक चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि संचारी रोग हमारे गांव अथवा क्षेत्र में रहने वाले परिवारों के आर्थिक और पारिवारिक नुकसान का एक बड़ा कारण हो सकते हैं। इस मौके पर उन्होंने वहां पर मौजूद अन्य कर्मियो को शपथ दिलाया कि वे संचारी रोग से लड़ाई में हर संभव प्रयास करेंगे कि उनका परिवार व समुदाय इन रोगों से मुक्त रहें। सीएमओ ने कहा कि बच्चों में दिमागी बुखार जानलेवा हो सकता है।इस रोग से शारीरिक और मानंसिक विकलांगता भी आ सकती है।इसलिए बुखार होने पर बच्चे को तत्काल नजदीकी सीएचसीध्पीएचसी चिकित्सालय पर ले जाये।जहां पर बुखार के समुचित इलाज की व्यवस्था है।

उन्होंने बताया कि इस बीमारी से सबसे ज्यादा प्रभावित होने का खतरा 1 से 15 वर्ष के आयु के बच्चों को होता है,इसलिए इनकी सुरक्षा के लिए विशेष प्रयास करें।सीएमओ के मुताबिक 1जुलाई से 31 जुलाई तक एवं 17 जुलाई से 31 जुलाई तक दस्तक अभियान चलेगा।जिसमें फ्रंटलाइन वर्कर (आशा, एएनएम, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता) घर–घर जाकर बुखार , इंफ्लुएंजा लाइक इलनेस से ग्रसित लोगों के साथ–साथ संभावित क्षय रोगियों व कुपोषित बच्चों को चिन्हित करेंगी। इसके अलावा वह क्षेत्रवार ऐसे मकानों को सूची बनाएंगी जहां घरों के भीतर मच्छरों का प्रजनन पाया गया हो। इस दौरान स्वास्थ्य कार्यकर्ता फिजिकल डिस्टेंसिंग, हाथों की धुलाई और मास्क की अनिवार्यता पर विशेष ध्यान रखेंगे।नोडल अधिकारी वीबीडी डा अंसार अली, एसीएमओ डॉ आरके सक्सेना,नगर स्वास्थ्य अधिकारी डा राम मणि शुक्ला,अर्बन नोडल डा वेद प्रकाश त्रिपाठी, डाव राजेश चौधरी सहित स्वास्थ्य विभाग से डी एच ई आई ओ,फाइलेरिया नियंत्रण अधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, जिला मलेरिया अधिकारी,डीसीपीएम, यूनिसेफ, नगर निगम के अधिकारी कर्मचारी ने प्रतिभाग किया।दूसरी ओर नगर निगम अयोध्या परिसर से भी नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों ने जनपद को संचारी रोगों मुक्त करने के लिए रैली निकाल कर आम जन को संचारी रोगों से मुक्त करने का आह्वाहन किया। इस अवसर पर नगर स्वास्थ्य अधिकारी , फाइलेरिया नियंत्रण अधिकारी और स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे।

ब्यूटी पार्लर पर काम सीखने आ रही 16 वर्षीय किशोरी लापता, अपहरण का केस दर्ज

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)। जिले के कोतवाली बीकापुर क्षेत्र में ब्यूटी पार्लर पर काम सीखने आ रही 16 वर्षीय किशोरी के लापता हो जाने के मामले मे कोतवाली पुलिस ने ब्यूटी पार्लर संचालिका सहित तीन लोगों के विरुद्ध धारा 363 आईपीसी अपहरण का मामला दर्ज किया है। घटना करीब डेढ़ महीने पूर्व घटित हुई है।मिली जानकारी के मुताबिक बीकापुर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़ित का आरोप है कि उसकी 16 वर्षीय नाबालिग पुत्री बीकापुर कोतवाली अंतर्गत नगर पंचायत क्षेत्र के बिलारी माफी तिराहे पर संचालित एक ब्यूटी पार्लर पर काम सीखने आती थी।वहीं पर ब्यूटी पार्लर संचालिका से दोस्ती हो गई। आरोप है कि पार्लर संचालिका के बुआ का पुत्र विनोद कुमार निवासी गंगाराम का पुरवा सरेठी थाना पूराकलंदर भी अक्सर अपने दोस्त ज्ञानदास निवासी मरूई सहाय सिंह कोतवाली बीकापुर के साथ ब्यूटी पार्लर पर आता जाता रहता था। पीड़ित के आरोप के मुताबिक उनकी नाबालिग पुत्री 15 मई को लापता हो गई।आरोपी विनोद कुमार उनकी नाबालिग पुत्री को कहीं लेकर भाग गया है। जिसमें ब्यूटी पार्लर संचालिका और ज्ञान दास की भी साजिश है।आरोपियों ने मिलकर उनकी पुत्री को विनोद कुमार के साथ किसी अज्ञात स्थल पर भेज दिया है। काफी खोजबीन के बाद भी कोई सुराग नहीं मिला। लोक लाज भय के चलते अभी तक अपनी पुत्री की तलाश करता रहा लेकिन उसे सफलता नहीं मिली।आरोपी और लापता किशोरी अलग–अलग समुदाय के बताए जाते हैं।

झमाझम बरसात से किसानों के चहरे पर दिखी खुशी खेतों में धान की रोपाई शुरू

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) गुरुवार की देर रात से शुरु हुई बारिश के चलते किसानों के चहरे पर साफ साफ खुशी की लहर दिखाई दे रही थी।देखा जाए तो गुरुवार की देर रात से शुरु हुई झमाझम बारिश से ग्रामीण किसानों को धान की रोपाई करने के लिये संजीवनी मिली है।धान की रोपाई करने के लिए जिले के किसान बारिश का इंतजार कर रहे थे।

बारिश का पानी खेतों में लबालब भर जाने से किसानों ने भी देर करना मुनासिब नहीं समझा। ट्रैक्टर से खेत की जुताई करवाई और मजदूरों को लाकर रोपाई शुरू करा दी।नरेंद्रदेव कृषि विश्वविद्यालय कुमारगंज के मौसम पर्यवेक्षक अमरनाथ मिश्र ने बताया कि पहली से पांच जुलाई के बीच पूर्वी उत्तर प्रदेश में मध्यम से घने बादल छाए रहने और हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

अनुभवी किसानों ने कहा कि लगातार बारिश होने के चलते लतादार सब्जियों को नुकसान होगा। सब्जी वाले खेतों में जलभराव होने के कारण जहां पौधों में गलन शुरू हो जाएगी, वहीं फल–फूल में भी कमी आने लगेगी। ऐसे में सब्जियों के भाव और आसमान छुएंगे। जलभराव हो जाने से बोड़ा, कद्दू, लौकी, नेनुआ, तोरई, सरपुतिया, परवल, कुनरु, टमाटर व सेम आदि सब्जियों की फसल को काफी नुकसान पहुंचेगा। इसके अलावा जलभराव हो जाने पर बैंगन की फसल सूख जाएगी।

आरक्षण को लेकर निकाली गई सामाजिक न्याय यात्रा

कोरिडीहा में आमसभा का किया गया आयोजन

क्राइम रिपोर्टर धनंजय विश्वकर्मा.

जौनपुर। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के कोरीडीहा बाजार में आरक्षण को लेकर के सामाजिक न्याय यात्रा निकाली गई। जिसमें बाजार में आमसभा कर लोगों को आरक्षण बचाने के लिए लड़ाई लड़ने पर जोर दिया ।

कोरीडीहा चौराहे पर जनसभा का आयोजन कर ओबीसी आरक्षण बचाने की हुंकार भरी और लोगों को ओबीसी आरक्षण बचाने के लिए लड़ाई लड़ने की जोर दिया। इसके बाद संयोजक अश्विनी कुमार यादव के नेतृत्व में सामाजिक न्याय यात्रा की बाजार से शुभारंभ हुआ और यह न्याय यात्रा सरायख्वाजा मल्हनी बाजार गंभीरन करंजकला जंगीपुर खुर्द मेहरावां लपरी जपटापुर गुरैनी खेतासराय तक गई। इस दौरान सामाजिक न्याय यात्रा के संयोजक अश्विनी कुमार यादव ने कहा कि वर्तमान सरकार को ओबीसी के आरक्षण को छीन रही है, इसे बचाने की जरूरत है ,लोगों को इसके लिए लड़ाई लड़ना होगा। सिर्फ ओबीसी के साथ ही नहीं अन्य वर्गों के साथ भी भेदभाव किया जा रहा ।महंगाई चरम पर गई है। गरीब और गरीब होता जा रहा है। किसानों की उपज की कीमत नहीं मिल रही है तमाम खामियां हैं। इसके लिए लोगों को जागरूक होना होगा, लड़ाई लड़नी पड़ेगी। इसके बाद सामाजिक न्याय यात्रा कोरडीहा बाजार सभा स्थल पर पहुंचा । वहां पूर्व सीएम व पूर्व राज्यपाल स्व रामनरेश यादव की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस अवसर पर राजेश कुमार ,राधेश्याम, राजीव गौतम, सुनील विश्वकर्मा ,सुभाष बिंद, मनीष कनौजिया, अमन कश्यप ,कुंदन विश्वकर्मा ,अमला प्रसाद, उदय सिंह, संतबहाल प्रजापति, प्रांजल यादव, उमाशंकर यादव, सचिन कश्यप मौजूद रहे ।

पुलिस अधीक्षक द्वारा जनपद में अधिवर्षता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त होने वाले 3 पुलिसकर्मियों की ससम्मान विदाई की गयी

सुलतानपुर। अधिवर्षता आयु पूर्ण कर पुलिस सेवा से 2 उप निरीक्षक नागरिक पुलिस, 1 उर्दू अनुवादक रामचन्द्र शर्मा व उर्दू अनुवादक बाकर अब्बास कार्यालय पुलिस अधीक्षक सुलतानपुर को फूलमाला पहनाकर

सेवानिवृत्त हुए । इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय में विदाई समारोह के दौरान पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा द्वारा सेवानिवृत्त हुए उप निरीक्षक नागरिक पुलिस रामयश सिंह,उप निरीक्षक नागरिक पुलिस श्री एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर ससम्मान विदाई दी गयी,एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। उक्त विदाई कार्यक्रम में क्षेत्राधिकारी सदर, क्षेत्राधिकारी कार्यालय, प्रतिसार निरीक्षक व अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहें।

विरासते–खालसा के लिये सिक्ख समाज द्वारा मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। विरासते–खालसा के लिये सिक्ख समाज द्वारा मुख्य मंत्री का आभार प्रकट किया गया । मीडिया प्रभारी हरजीत सिंह ने बताया कि गत १२ जून को स. मंजीत सिंह तलवार के नेतृत्व में तेजवीर सिंह सियाल , गोरे गुलाटी व गुरुद्वारा आलमबाग के अध्यक्ष निर्मल सिंह ने विधायक राजेश्वर सिंह के निवास पर जाकर उनसे भेंट की व उनसे "विरासते–खालसा" बनाने की बात की व बताया कि मुख्यमंत्री ने वैसाखी के अवसर पर मोती महल लान में इसकी घोषणा भी की थी । राजेश्वर सिंह ने तत्काल प्रभाव से अपने स्टाफ को इसके लिये निर्देशित किया । 28 जून को स. तेजवीर सिंह सियाल व निर्मल सिंह ने जमीन

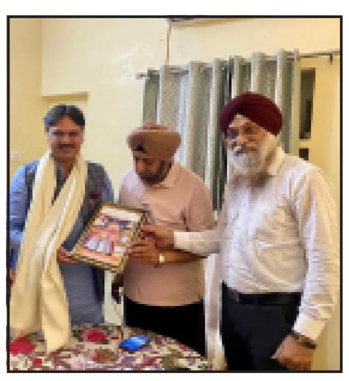

का अवलोकन कर अपनी सहमति दी । निर्मल सिंह ने बताया कि हम मुख्यमंत्री के अभारी हैं जिन्होंने जो भी वचन सिक्ख समाज से किया उसे पूरा किया । अतिशीघ्र इस स्थान पर बहुत ही आधुनिक तरीकों से सिक्ख इतिहास की जानकारी देने वाला अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के भवन का निर्माण किया जायेगा ।

पूर्व प्रधान मोहनलाल मोदनवाल के आवास पर छापा

सुलतानपुर। हिंदुस्तान यूनिलीवर की टीम ने पुलिस के साथ की छापेमारी।आवास से भारी मात्रा में नकली हार्पिक और जैसमीन हेयर ऑयल बरामद। दोनो समान बनाने का केमिकल और मोबिल भी बरामद।एक पिकप सामान और केमिकल बरामद कर थाने ले गई पुलिस।भाजपा नेता के पुत्र सुशील मोदनवाल को हिरासत में लेकर की जा रही जांच पड़ताल।कूरेभार थानाक्षेत्र के गुप्तारगंज बाजार का मामला।

परिवहन राज्यमंत्री का निर्देश

संवाददाता

लखनऊ। यूपी के परिवहन राज्यमंत्री दयाशंकर सिंह ने कांवड़ यात्रा के प्रारंभ से पहले बैठक की और अफसरों को तैयारियों के मद्देनजर दिशा–निर्देश दिए।

रिलीव करने से पहले लगाए गए वेटेज दस्तावेजों का होगा क्रॉस चेक

संवाददाता

लखनऊ। यूपी बेसिक शिक्षा में हाल ही में जिन शिक्षकों का ट्रांसफर हो गया है रिलीव करने से पहले उनके उन दस्तावेजों का परीक्षण होगा जो उन्होंने वेटेज के लिए लगाए हैं। प्रदेश में बेसिक के विद्यालयों में किए गए 16,614 तबादलों को लेकर शिक्षकों की ओर से असाध्य रोग समेत अन्य का लाभ लेने के लिए दस्तावेज लगाए गए हैं। शासन ने इनको कार्य मुक्त करने से पहले दस्तावेजों की जांच के लिए सीडीओ की अध्यक्षता में कमेटी का गठन किया है। कमेटी दो जुलाई तक इनका सत्यापन कर, कार्य मुक्त से जुड़ी प्रक्रिया पूरी करेगी।विभाग की ओर से हाल में एक से दूसरे जिले में तबादले के लिए ऑनलाइन आवेदन लिए गए थे।

इसके लिए 45 हजार से अधिक शिक्षकों ने आवेदन किया था। लंबी प्रक्रिया पूरी कर 16,614 शिक्षकों के तबादले किए गए। इसमें से असाध्य व गंभीर रोग के 1141, दिव्यांग के 112, एकल अभिभावक के 393 व सरकारी सेवा में कार्यरत जीवनसाथी के वेटेज का 6880 शिक्षकों ने लाभ लिया है।इस क्रम में शासन ने यह तय किया है कि इन वेटेज का लाभ लेने वाले शिक्षकों के दस्तावेजों की जांच के लिए प्रत्येक जिले में मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। कमेटी की जांच रिपोर्ट के बाद ही स्थानांतरित परिषदीय शिक्षकों को कार्यमुक्त किया जाएगा।जांच कमेटी में मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी और जिलाधिकारी की ओर से नामित जिला स्तरीय अधिकारी को सदस्य बनाया गया है। कमेटी तबादला नीति के अनुसार स्थानांतरित शिक्षकों के लिए निर्धारित वेटेज और प्राप्त वेटेज की दस्तावेज के आधार पर जांच करेगी। बेसिक शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार ने किसी शिक्षक के दस्तावेज कूटरचित पाए जाने पर उनके खिलाफ विधिक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने दस्तावेज सत्यापन कार्य जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

अयोध्या – लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग को देश का सुंदरतम राजमार्ग बनाया जाय : मंडलायुक्त

मंडलायुक्त ने अधिकारियों को समीक्षा बैठक में दिये निर्देश

अयोध्या। मंडलायुक्त गौरव दयाल की अध्यक्षता में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा 84 कोसी परिक्रमा मार्ग(एनएच 227 बी) के सुधार एवं विकास के कार्यों, जनपद अयोध्या में अयोध्या बाईपास(रिंग रोड) निर्माण हेतु भूमि अर्जन की अद्यतन स्थिति के साथ–साथ

अयोध्या लखनऊ राजमार्ग के बाईपास के सौंदर्यीकरणध्अनुरक्षण आदि कार्यो के प्रगति की समीक्षा बैठक आयुक्त कार्यालय सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में मंडलायुक्त गौरव दयाल ने अयोध्या लखनऊ राजमार्ग के बाईपास के सौंदर्यीकरण के कार्यों के प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि बाईपास सौंदर्यीकरण का कार्य 15 जुलाई तक पूर्ण किया जाए।उन्होंने कहा कि इस सौंदर्यीकरण के कार्य में जहां भी सर्विस रोड के साथ फुटपाथ का प्रावधान है उसमें फ्लोर टाइल उच्चतम श्रेणी की लगाई जाए। टाइल व कर्ब स्टोन अच्छे कार्य कुशलता एवम सजावटी पैटर्न के साथ लगाया जाएं तथा रोड के नाले के ऊपर स्लेब ढलाई इतनी सुंदर ढंग से हो कि लोग उसे फुटपाथ के रूप में भी प्रयोग कर सकें।बाईपास एवं इसकी सर्विस रोड की नियमित साफ–सफाई हेतु एनएचएआई आने वाले को व्यय को आगणित कर अयोध्या विकास प्राधिकरण को हस्तांतरित करते हुए साफ सफाई सुनिश्चित कराएं।इस मौके पर मंडलायुक्त ने बताया कि बाईपास की मिडियन जगह जगह टूटी फूटी है जो नियमित नही है उसे सही कराया जाय तथा मीडियन में जो सजावटी पौधे लगाए गए हैं उनकी नियमित देखभाल की जाए। इसके लिए इसे चौनेज वाइज बांट कर प्रत्येक चौनेज हेतु एक डेडीकेटेड माली तैनात करते हुए उनका बेहतर ढंग से रखरखाव किया जाए। उन्होंने कहा कि स्ट्रीट लाइट सहित अन्य कार्यों हेतु जो विद्युत कनेक्शन की आवश्यकता है उसे विद्युत विभाग से समन्वय करते हुए कनेक्शन की प्रक्रिया पूरी करते हुए एक सप्ताह के भीतर सभी पोलो को उर्जित किया जाए। मंडलायुक्त ने कहा कि बाईपास के अण्डरपासो यथा सहादतगंज,रायबरेली, सुल्तानपुर,अंबेडकरनगर अंडर पास में जो फव्वारे व मूर्तियां स्थापित की गई हैं उनको वॉर्म लाइट लगाकर बेहतर ढंग से सजाया जाए जो देखने में आकर्षक लगे। इसके अतिरिक्त उन्होंने कहा कि बाराबंकी से अयोध्या तक कई स्थानों पर मार्ग में गड्ढे हो गए उन्हें भी दुरुस्त कराने की आवश्यकता है जिससे इस मार्ग को भारत की सुंदर तम राजमार्गों में से एक बनाया जा सके। जिस पर एनएचएआई के पी0डी0 श्री सौरभ चौरसिया द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त मार्ग में गड्ढे भरने आदि का कार्य नियमित चल रहा है। इसके अतिरिक्त इस मार्ग को और बेहतर बनाने हेतु प्रस्ताव मंत्रालय को प्रेषित किया जा चुका है जिसमें संभवत इस वर्ष के सितंबर माह तक कार्य भी प्रारंभ हो जाएगा।मंडलायुक्त ने 84 कोसी परिक्रमा मार्ग के सुधार एवं विकास के कार्यों तथा अयोध्या बाईपास (रिंग रोड)के भूमि अर्जन के अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की।इसके संबंध में संबंधित अधिकारियों द्वारा बताया गया कि अयोध्या रिंग रोड के अंतर्गत कुल 35 ग्रामों का अभिनिर्णयध् अवार्ड घोषित किया जाना अपेक्षित है जिसमें से 33 ग्रामों का अभिनिर्णय घोषित किया जा चुका है तथा 2 ग्राम सरायरासी मांझा वह रामपुर हलवारा मांझा के भू नक्शे से संबंधित समस्याओं के कारण अवार्ड घोषित नहीं किया जा सका है। जिस पर मंडलायुक्त ने सहायक अभिलेख अधिकारी अयोध्या को निर्देशित किया कि वह तत्काल स्वयं संबंधित तहसील की टीम एवं चकबंदी विभाग व एनएचएआई के प्रतिनिधि के साथ मौके पर जाकर जो भी समस्याएं आ रही है उसका निराकरण कराए। मंडलायुक्त ने कहा कि इस रिंग रोड निर्माण में मुख्य कैरेज वे की जद में आने वाले पेड़ों के अलावा अन्य किसी पेड़ को ना काटा जाए तथा ज्यादा से ज्यादा पेड़ों को बचाने का प्रयास किया जाए।84 कोसी परिक्रमा मार्ग के विकास की अद्यतन स्थिति की जानकारी देते हुए अधिकारियों द्वारा बताया गया कि इस कार्य को करने के लिए 84 कोसी परिक्रमा मार्ग को कुल 06 पैकेजो में बांटा गया है जिसमें पैकेज 01 जनपद बस्ती,पैकेज 02 जनपद बस्ती व अयोध्या, पैकेज 03 जनपद अंबेडकरनगर व अयोध्या,पैकेज 04 जनपद अयोध्या,पैकेज 05 बाराबंकी व गोंडा,पैकेज 06 जनपद गोंडा के ग्रामों,जो परिक्रमा मार्ग पर स्थित है,से संबंधित है। मंडलायुक्त ने परिक्रमा मार्ग से संबंधित सभी जनपदों के भूमि अध्याप्ति अधिकारियों से कहा कि भूमि अर्जन संबंधित सभी कार्य प्राथमिकता पर किए जाए तथा सर्वे के दौरान ही प्रभावित भू स्वामियों से बैंक खाता संबंधी सभी डिटेल प्राप्त करते हुए मुआवजे की धनराशि का वितरण तत्काल सुनिश्चित कराया जाय।

बैठक में जिलाधिकारी नितीश कुमार, एनएचएआई उत्तर प्रदेश पूर्वी के सलाहकार मणिप्रसाद मिश्र, एडीएम(एलध्ए)अयोध्य प्रभाकांत अवस्थी सहित सभी सम्बन्धित जनपदों के भूमि अध्याप्ति अधिकारी, डीएफओ अयोध्या,बाराबंकी,गोंडा,पीडी एनएचएआई सौरभ चौरसिया सहित एनएचएआई के सभी अभियंता एवम अन्य सबंधित अधिकारी व कर्मी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की देखरेख में होगा रामलला का प्राण प्रतिष्ठा समारोह

चंम्पत राय।

डॉ अजय तिवारी जिला संबाददाता) अयोध्या रामनगरी में होने वाले आगामी जनवरी माह में होने वाला रामलला का प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की देखरेख में होगा, वहीं चंम्पत राय ने आगे कहा कि प्राण प्रतिष्ठा से 10 दिन पहले राम संकीर्तन के माध्यम से देश के संपूर्ण ग्राम पंचायत और सभी मोहल्लों के वातावरण को राम मय कर दिया जाएगा, जिस तरह का आनंद अयोध्या में होगा,वैसा ही हर गांव और मोहल्लों में होगा, प्राण प्रतिष्ठा से जुड़े कोई भी कार्यक्रम सार्वजनिक स्थल पर नहीं होंगे,केवल मंदिरों में ही होंगे देश में ढाई लाख ग्राम पंचायतें हैं और नगर व कस्बों में ढाई लाख मोहल्ले हैं,कुल मिलाकर ऐसे पांच लाख स्थलों पर मौजूद मंदिरों में राम संकीर्तन प्राण प्रतिष्ठा से 10 दिन पहले प्रारंभ किया जाएगा, राम लला के प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व प्रारंभ होने वाले देशव्यापी राम संकीर्तन कार्यक्रम को सिख और जैन धर्मावलंबी अपनी परंपरा से कर सकते हैं,ऐसा आग्रह किया जाएगा।

एम्स में पीजी की 15 सीटें लॉक, 18 सीटें शेष बचीं

लखनऊ। दिल्ली में पहले चरण की काउंसिलिंग के बाद अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में पीजी की पढ़ाई करने के लिए 15 रेजीडेंट डॉक्टरों से सीटें लॉक कर दी हैं। इन सीटों के भरने के बाद अब भी 18 रेजीडेंट डॉक्टरों की जरूरत है। इसके लिए आगामी तीन जुलाई से दिल्ली में दूसरे चरण की काउंसिलिंग होगी। काउंसिलिंग के बाद पीजी की खाली सीटें भरेंगी।एम्स के रजिस्ट्रार डॉ. भोलानाथ ने बताया कि इलाज के साथ ही एमबीबीएस के कई बैच की पढ़ाई चल रही है।

मरीजों की सभी तरह की इलाज मुहैया कराना नवागत सीएमओ की प्रमुख प्राथमिकता

सरकारी अस्पताल को अराजक तत्वों से रखा जायेगा दूर – डॉ संजय जैन

अयोध्या।अस्पतालों में आने वाले मरीजों का सही ढंग से इलाज के साथ साथ परिसर में ही हर प्रकार की सुविधा उपलब्ध कराना नवागत सीएमओ डॉ संजय जैन की खास प्राथमिकता है।यह बातें नवागत सीएमओ डॉ जैन ने शनिवार को कार्यभार ग्रहण करते समय एक मुलाकात में कहीं।उन्होंने बताया कि शासन स्वास्थ्य प्रशासन की मंशा के अनुरूप कार्य करना तथा अस्पताल परिसर में आने वाले हर मरीज को गुणवत्तापूर्ण एवम तत्काल स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराए जानें का सतत प्रयास किया जाता रहेगा। उन्होंने बताया कि अस्पताल में किसी भी तरह की जांच न प्रभावित हो इसके लिए विशेष ध्यान रखा जायेगा। एक सवाल पर उन्होंने बताया कि सरकारी चिकित्सालयों में सुविधा शुल्क के नाम पर रिश्वत लेने वाले कर्मियो के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी। इसके अलावा वे सरकारी चिकित्सालयों की माहौल खराब करने वाले अराजक तत्वों, दबंगों व चोर उचक्को से सख्ती से पेश आयेगे। उन्होंने स्पष्ट रुप से कहा कि सभी सीएचसी और पीएचसी पर चिकित्सक सहित तैनात सभी अधि

ाकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति शत प्रतिशत सुनिश्चित की जायेगी। वही आपात कालीन सेवायें प्राथमिकता से सुनिश्चित कराई जाएगी।सभी सरकारी चिकित्सालय समय से खुलेंगे।चिकित्सालयों मे दबाएं और उपकरण की उपलब्धता पर्याप्त मात्रा में सुनिश्चित कराई जाएगी।बच्चों के पूर्ण टीकाकरण को प्राथमिकता के स्तर से कराए जानें का पूर्ण प्रवास किया जाएगा।जिले में संचालित हो रहे स्वास्थ्य के सभी राष्ट्रीय कार्यक्रम को समय से पूर्ण करने की हर संभव कोशिश की जायेगी।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।